

न्यूज़ ट्रैक

होली के रंग में मचा भंग, सरैआम युवक के सिर में गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस



छतरपुर में होली के दिन सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया. बदमाशों ने दिन दहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. फायरिंग की आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया. वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गये. बताया जा रहा है कि बदमाशों ने सिर में गोली मार कर युवक की जान ले ली. वारदात की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. मृतक की पहचान हरिओम शुक्ला के रूप में की गयी है.

होली के दिन सरैआम गोली मारकर हत्या-जानकारी के मुताबिक महोबा रोड स्थित हरिओम शुक्ला होली मिलन समारोह में गया हुआ था. होली खेल रहे अज्ञात आरोपियों ने हरिओम शुक्ला के सिर में गोली मार दी. गोली लगते ही हरिओम शुक्ला की मौके पर मौत हो गयी. दिन दहाड़े हत्या से होली की खुशियों में मातम पसर गया. मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई. फायरिंग करने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए. मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की.

घटना के पीछे बताया जा रहा जमीन विवाद-पूछताछ में शुरूआती तौर पर पता चला है कि मामला जमीन विवाद से जुड़ा है. आरोपियों की धर पकड़ के लिए पुलिस टीम का गठन कर दिया गया है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जा रही है. फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटा लिये हैं. होली के दिन दहाड़े बीच रोड पर हत्याकांड से पूरे शहर में सनसनी फैल गई. पुलिस को घटनास्थल के पास लगा एक सीसीटीवी फुटेज मिला है. सीसीटीवी फुटेज में दर्जनों लड़के भागते हुए नजर आ रहे हैं. फिलहाल हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है. बताया जा रहा है कि जमीनी विवाद में हरिओम की हत्या की गई है.

नई गाड़ियों की खरीद की अटकलों पर जीतू पटवारी का मोहन यादव सरकार पर तंज,



मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक बार फिर सरकारी कर्ज को लेकर मोहन यादव सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोला. अपने ऑफिशियस सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट में पटवारी ने कहा कि कर्ज लेकर घी पीने की पुरानी कहावत पीछे छोड़ते हुए बीजेपी के नुमाइंदे अब घी से नहाना चाहते हैं. वह भी तब जब हर महीने कर्ज लेकर सरकारी गाड़ी सरक रही है. पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मंत्रियों की नई गाड़ियों की डिमांड को लेकर चल रही खबरों का हवाला देते हुए कहा, क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्रियों को केवल 3 माह पहले उपलब्ध कराई गई गाड़ियां पसंद नहीं आ रही हैं? मीडिया रिपोर्ट्स बता रही हैं कि अधिकांश मंत्री स्टेट गैरज से गाड़ियां पुरानी बताकर, अब नई गाड़ियों की डिमांड कर रहे हैं.

सीएम मोहन यादव बोले

लाडली बहना योजना कांग्रेस ने किया था बंद होने का दावा

सीएम मोहन यादव ने आश्वासन दिया कि अगले चुनाव तक भी लाडली बहना योजना बंद नहीं की जाएगी

मोहन यादव ने आश्वासन दिया कि अगले चुनाव तक भी लाडली बहना योजना बंद नहीं की जाएगी



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लाडली बहना योजना को लेकर एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि लाडली बहना योजना सहित महिलाओं से जुड़ी उन तमाम योजनाओं को कभी बंद नहीं किया जाएगा, जो वर्तमान में जारी हैं. इस मौके सीएम

तक भी लाडली बहना योजना बंद नहीं की जाएगी. बीते साल मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को लाडली बहना योजना का खूब फायदा मिला. इसी का परिणाम है कि लोकसभा चुनाव से पहले भी लाडली बहना योजना को लगातार भुनाने की कोशिश की जा रही है. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने होली के दूसरे दिन महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता यह दावा कर रहे थे कि लाडली बहना योजना विधानसभा चुनाव के बाद बंद हो जाएगी. कांग्रेस का यह सफेद झूठ जनता के सामने आ गया है.

योजना का बढ़ाया जाएगा दायरा-मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में महिलाओं से जुड़ी किसी भी योजना को आने वाले समय में भी बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि योजनाओं का दायरा और बढ़ाया जाएगा. मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर है, लेकिन बीजेपी जो बोलती है वह करके दिखाती है. लोकसभा चुनाव में महिला वोटर्स अहम-मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद अब लोकसभा चुनाव को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी काफी उत्साहित है. भारतीय जनता पार्टी के नेता और पदाधिकारी लगातार दावा कर रहे हैं

पहले चरण के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन, कमलनाथ के गढ़ पहुंचेंगे सीएम मोहन यादव

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर नामांकन जमा करने का आज आखिरी दिन है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के अनुसार दोपहर तीन बजे तक नामांकन फार्म जमा किए जाएंगे. वहीं नामांकन जमा करने के अंतिम दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के तीन संसदीय क्षेत्रों में पहुंचकर बीजेपी प्रत्याशियों के नामांकन रैली में शामिल होंगे. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा भी पहुंचेंगे, जहां वह बीजेपी प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के नामांकन रैली को संबोधित भी करेंगे. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार पहले चरण के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है. मंगलवार 26 मार्च को 33 अभ्यर्थियों ने 43



पत्र भरे जा चुके हैं. अनुपम राजन ने बताया कि पहले चरण के लिए नाम नामांकन आज दोपहर तीन बजे तक भरे जा सकेंगे. नामांकन पत्रों की समीक्षा 28 मार्च को की जाएगी. नामांकन भर चुके प्रत्याशी 30 मार्च तक अपने नाम वापस

ले सकेंगे. पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा. वहीं मतगणना चार जून को होगी.

जबलपुर-छिंदवाड़ा-बालाघाट जाएंगे सीएम-सीएम

छिंदवाड़ा से रवाना होकर 2.25 बजे बालाघाट हेलीपैड पहुंचेंगे. जबकि दोपहर 3.50 बजे बालाघाट से रवाना होकर 4.30 बजे छिंदवाड़ा आएंगे. वहीं शाम 4.40 बजे छिंदवाड़ा से रवाना होकर शाम 5.25 बजे भोपाल आगमन होगा.

एक दिन पहले नकुलनाथ ने भरा नामांकन-बता दें छिंदवाड़ा संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने एक दिन पहले ही अपना नामांकन फार्म जमा किया है. नकुलनाथ के साथ उनके पिता कमलनाथ, मां अलका नाथ, पत्नी प्रिया नाथ के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कांग्रेस के अन्य नेता मौजूद रहे. इस दौरान जनसभा का भी आयोजन किया गया था. नकुलनाथ ने नामांकन के साथ अपनी चल अचल संपत्ति का ब्योरा भी जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपा है,

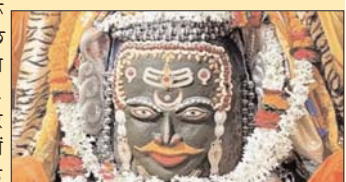
महाकाल मंदिर में आग की घटना के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में कमी, नियमों पर प्रशासन सख्त

भस्म आरती में आग लगने की घटना के बाद महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में थोड़ी कमी देखने को मिल रही है. जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है. महाकालेश्वर मंदिर में अब नियमों को लेकर और भी सख्त रवैया अपनाया जा रहा है. इसके अलावा, मामले की जांच शुरू होने के बाद कुछ लोगों पर गाज गिरना तय मानी जा रही है.

महाकालेश्वर मंदिर देश भर के करोड़ों शिव भक्तों के आस्था का केंद्र माना जाता है. भस्म आरती में आग लगने की घटना से श्रद्धालुओं को भी काफी दुख पहुंचा है. महाकालेश्वर मंदिर समिति के प्रशासक संदीप सोनी का कहना है कि पहले भी नियमों को सख्त रखा गया था मगर त्योहरों की वजह से थोड़ी छिलाई देखने को मिल रही थी. अब भस्म आरती में हुई आगजनी की घटना के बाद नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है. प्रशासक सोनी का यह भी कहना है कि इस घटना के बावजूद मंदिर में दर्शन को एक पल के लिए भी बंद नहीं किया गया.

महाकाल मंदिर में आगजनी की घटना को लेकर टीम ने जांच शुरू कर दी है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर पूरे मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराई जा रही है. इस जांच रिपोर्ट के जिला प्रशासन के पास पहुंच जाने के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई भी होगी.

सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी किए-महाकालेश्वर मंदिर में सभी जगह हाई डेफिनेशन कैमरे लगाए गए हैं. इन कैमरा के फुटेज भी जब्त किए गए हैं. बताया जाता है कि होली की सुबह भस्म आरती के दौरान श्रद्धालुओं और पंडित और पुरोहितों द्वारा इतनी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर गुलाल उड़ाई जा रही थी



STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ
पैसे कमाओ

कमायें
5000 ₹.
प्रति माह



अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ
5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram
Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartolutions.com

जिले में होली का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया

कलेक्टर और एसपी ने डीजे पर खूब लगाए ठुमके तो वहीं एसपी ने गाया गाना



पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे
अधिकारी एवं कर्मचारियों के
साथ मीडियाकर्मी भी खूब
गाए - नाचे



पुलिस की रही चाकचीबंद
व्यवस्था, हुड़दंगी नहीं मचा
पाए कहीं भी हुड़दंग
शांतिपूर्वक मना होली का
त्यौहार

भिण्ड। होली का त्यौहार पूरे जिले में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कया अमीर और कया गरीब सभी रंग बिरंगे रंगों में सराबोर रहे। जिधर देखो उधर ही होली की धूम मची रही। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं सभी होली की मस्ती करते रहे। होली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा मंगलवार को स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में होली मनाई गई। बच्चों ने अपनी टोलियों के साथ जमकर रंग से भरी पिचकारीयो से होली खेली। पुरुष और महिलाओं ने भी रंग-गुलाल से होली खेलते नजर आए। इस दौरान गिले-शिकवे भुलाकर मेल मुलाकात का दौर चलता रहा। गली-मोहल्लों और सड़कों पर होली के रंगों में डूबे मतवालों की टोलियां चल रही थीं और आने जाने वालों को रंगों से सराबोर करते रहे। होली के पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे जवानों द्वारा मंगलवार को स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड पर होली मनाई गई। कार्यक्रम में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. असित



यादव, एसपी संजीव पाटक, एसपी अरुण कुमार उडके, डीएसपी हेडकार्टर दीपक तोमर, मेहगांव एसडीओपी संजय कोच्छा सहित विभिन्न कोतवाली के निरीक्षक, थाना



प्रभारीगण, ट्रेफिक के अधिकारी कर्मचारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। ऑफिसर कॉलोनी से अधिकारीगण खुली जीप में सवार होकर निकले और पुलिस लाइन पहुंचे। जहां तोपों से पुष्प वर्षा की गई। सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल से सराबोर किया। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव और एसपी डॉ. यादव को जवानों ने कंधों पर बैठाकर डांस किया तो वहीं कलेक्टर

जिस भवन में मतदान केन्द्र स्थापित किये गये है, उनका एआरओ अवलोकन करें : कलेक्टर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने एआरओ से कहा है कि जहां मतदान केन्द्र बनाए गए हैं उनका एक बार अवलोकन अवश्य कर लें। इसके साथ ही उन्होंने डीईओ, डीपीसी, महिला एवं बाल विकास से भी कहा कि वे भी भवन का अवलोकन करें और वहां पाई गई कमी को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह बात टीएल बैठक में चुनाव संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान कही। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जगदीश प्रसाद गोमे, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी लक्ष्मीकांत शर्मा, एसडीएम भिण्ड अखिलेश शर्मा, डिप्टी कलेक्टर अंकुर रवि गुप्ता, श्रीमती शिवांगी अग्रवाल, डीडी शर्मा के अलावा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे साथ ही अन्य अधिकारीगण वर्चुअली रूप से बैठक में जुड़े।



कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि कोई भी अधिकारी/कर्मचारी चुनाव इयूटी से नदारत न रहे सी विजिल एप पर की जा रही शिकायतों का समय-समय पर निराकरण करना सुनिश्चित किया जावे। चुनाव संबंधी सामग्री एसएलआर समय पर प्राप्त कर ले। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र जिस भवन में स्थापित किये गये हैं उनका डीईओ/डीपीसी अपने स्तर से निरीक्षण करें और इस बात का प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराये कि जिस भवन में मतदान केन्द्र बना है वो पूर्ण रूप से ठीक है। उन्होंने कहा कि एआरओ यह देखे कि मतदाता सूची एवं मतदान केन्द्र की सूची हर हाल में अपडेट समय-समय में करा लें। मतदान केन्द्र पर मूलभूत सुविधाओं के अन्तर्गत पानी लाइट, शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था रहे। जहां रैम की आवश्यकता है उस संस्था की जिम्मेदारी है कि रैम को सही हालत में रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि सीप प्लान की गतिविधियां जारी रहे जिससे मतदान प्रतिशत में बढोत्तरी हो सके। दीवार लेखन एवं होर्डिंग भी लगी दिखना चाहिए। सभी एआरओ वेयर हाउस से ईव्हीएम मशीन स्ट्रॉंग रूम तक सुरक्षा के साथ राजनैतिक दलों को अवगत कराते हुए ले जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को निर्देशित किया कि स्ट्रॉंग रूम व्यवस्थित होना चाहिए। बैठक में स्वीप प्लान, कम्प्युनिकेशन प्लान, एमसीएमसी एवं प्रेक्षक व्यवस्था पर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने गर्मी को दृष्टिगत कहा कि पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए जहां पानी की किल्लत है वहां पर परिवहन भी किया जावे। बैठक में मिलावट खीरो के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही जिन संस्था/कार्यालयों पर बिजली का बिल बकाया है वे अगली टीएल बैठक में अपनी-अपनी जानकारी के साथ उपस्थित हो और एमपीईवी के अधिकारी को निर्देशित किया कि आप भी पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहे ताकि अधिक बिल और बकाया बिल पर चर्चा कर निराकरण किया जा सके।

श्री श्याम बाबा के साथ श्याम प्रेमियों ने होली खेली



दैनिक पुष्पांजली टुडे
भजन गायकों ने भावविभोर
करने वाले भजनों को गाया

भिण्ड। ज्वाला माता खादू श्याम मंदिर में हुआ होली के रंग श्याम बाबा के संग जिसमें सभी भक्तों ने गुलाल उधाकर बाबा श्याम के साथ होली खेली। जिसमें भिंड के



समस्त संगीत कलाकारों द्वारा भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें भिंड के सजल मिश्रा ने ऐसी होली तुझे खिलाऊं दूध छटी को याद दिवाऊं सुन ले सवारे होली खेलन को अह्यो मारे गांव री और सब झूमो नाचो वो आने वाला है, पकड़ी बांध रहा है, नीले चढ़ने वाला है, जिसमें सब भक्तों



ने बहुत आनंद लिया और फिर सदीप बाबा ने खादू धाम की माटी मारे रास आ गई। और चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है। उसके बाद अंकित शास्त्री ने पकड़ लो हाथ बनवारी नहीं तो डूब जायेंगे भजन से सबको मंत्रमुक्त कर दिया जिसमें हमारे सोनू मिश्रा ने आर्गन पर संगत की आशीष शर्मा डोलक, प्रदुम्न भदौरिया तबला, गोपाल दीक्षित पैड पर बहुत अच्छी संगत की और इसमें रवि डीजे साउंड ने भी सहयोग किया। बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों ने भी भजनों को सुना और बाबा श्री श्याम और भजन गायकों के साथ होली खेली और बाबा के प्रेम में भावविभोर होकर नाचने लगे।

दतिया आज दिनांक 27/03/2024 को फिर आबकारी ने दी जगह-जगह दबिश आयुक्त द्वारा मदिरा की अवैध बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान



दैनिक पुष्पांजली टुडे की रिपोर्ट

के अंतर्गत कलेक्टर महोदय दतिया श्री संदीप माकिन एवं उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता श्री प्रमोद कुमार झा के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी



दतिया श्री राकेश राणा के मार्गदर्शन में आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी दतिया श्री टी आर



वर्मा द्वारा निम्न कार्यवाही की गई
(1) सुमंत्रा पत्नी मोहन कंजर, उम्र 40 वर्ष, नि. विकास नगर कंजर डेरा, दतिया से हड़ा पहाड़ दतिया पर 05 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा।
(2) शिवानी पत्नी दीपू कंजर, उम्र 20 वर्ष, निवासी सीतापुर कंजर डेरा से खाद गोदाम के पीछे, गोरघाट पर 04 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा।
(3) तमन्ना पत्नी रानू कंजर, उम्र 20 वर्ष, निवासी चीन बंवा कंजर डेरा से टोडा रोड, थरेट पर 05 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा।
(4) भांडेर रोड, इंंदरगढ़ पर 40 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा।
जब्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के अंतर्गत 04 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए एवं कुल 54 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा जप्त की गई जस मदिरा का अनुमानित मूल्य 10800/- रूपए है
उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक श्री संजय शर्मा, श्री मनीष यादव, महिला आरक्षक सुश्री याशिका यादव एवं वाहन चालक श्री अजय गौतम का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने सेल्फी पॉइंट से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे
मतदान मेरा अधिकार, मेरा मत मेरा स्वाभिमान का संदेश घर - घर पहुंच रहा है



भिण्ड। स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता के संदेशों को सभी मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए भिण्ड जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव एवं सीईओ जिला पंचायत जगदीश कुमार गोमे ने अधिक से अधिक मतदाता अपने मतों का प्रयोग निर्भीक होकर करें का संदेश देने के लिए सेल्फी पॉइंट से फोटो लेकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सेल्फी पॉइंट बनाया गया। जिसके अंतर्गत मतदाताओं द्वारा सेल्फी स्टैण्ड का उपयोग कर मतदाता जागरूकता का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। मेरा मत, मेरा स्वाभिमान, मतदान मेरा अधिकार के संदेश से युवाओं और विशेषकर नये जुड़े मतदाताओं को जोड़ा जा रहा है।

आपराधिक प्रवृत्ति के 03 लोगों पर हुई जिला बदर की कार्यवाही

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे
कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 03 व्यक्तियों के विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही की है। इन व्यक्तियों को तत्काल खरगोन, खण्डवा एवं बड़वानी जिले के राजस्व सीमाओं से तीन माह की कालावधि के लिए बाहर चले जाने का आदेश दिया गया है। संजय नगर खरगोन के निवासी मुन्ना उर्फ कालिया पिता रमजुज्जदीन शेख, ग्राम नान्द्रा थाना मंडलेश्वर निवासी रफीक पिता अल्लबेली पठान एवं मोलाना

आजाद मार्ग बड़वाह निवासी मोईन पिता मुंशी शेख की आपराधिक गतिविधियों के कारण समाज की शांति भंग होने एवं समाज में असुरक्षा की भावना उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए इन व्यक्तियों को खरगोन, खण्डवा एवं बड़वानी जिले की राजस्व सीमाओं से तत्काल तीन माह की अवधि के लिए बाहर चले जाने कहा गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर इनके विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इन तीनों व्यक्तियों के विरुद्ध जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भादवि की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

मतदाताओं को मतदान करने के लिए किया जा रहा है प्रेरित

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे
लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया जा रहा है। इसी कड़ी में 27 मार्च को शा उमावि खामखेड़ा व अंजनगांव में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई व भीकनगांव जनपद के ग्राम बोरोठ में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं बामंदी व नंदगांव बगुद में मतदाताओं को आगामी 13 मई को अपनी पसंद का सांसद चुनने के लिए मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान मतदाताओं को बताया गया कि मतदान करना सबका अधिकार है। इसलिए मतदान के दिन सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करें और अपने पसंद के उम्मीदवार को चुने। मतदाताओं को समझाया गया कि क्षेत्र के विकास व लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान करना हम सब की जिम्मेदारी और कर्तव्य है।



प्रोफेसर श्री परशुराम विरही के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

महेंद्र शर्मा उपसंपादक
पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी। शिवपुरी निवासी यूनआई के वरिष्ठ पत्रकार श्री अनुपम शुक्ला के परमपूज्य पिता श्री एवं राष्ट्रकवि रहे प्रोफेसर श्री परशुराम विरही के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने बुधवार शाम केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनके निवास पर पहुंचे। इस मौके पर श्री सिंधिया ने उनके पुत्र तथा परिजनों से मुलाकात कर दौढस बंधाया और शोक संवेदना व्यक्त की उन्होंने कहा कि श्री विरही जी का सिंधिया परिवार से गहरा रिश्ता रहा है, उनके निधन से व्यक्तिगत रूप से मुझे क्षति हुई है।



सरस्वती विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल मिसिरगावां में मनाया गया वार्षिकोत्सव

हनुमना(पुष्पांजली टुडे)। सरस्वती विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में आज मां सरस्वती का पूजन एवं वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमाशंकर मिश्र के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय के प्राचार्य आर आर शुक्ला बीआरसी हनुमना, बीईओ हनुमना, संकुल प्राचार्य श्री प्रमोद सिंह, स्वच्छग्रही प्रेक संघ हनुमना अध्यक्ष विवेक तिवारी, रामबहुर तिवारी, विद्यासागर तिवारी, सरोज तिवारी, शिवसागर तिवारी, विनय तिवारी, अनुराग द्विवेदी, अनिल द्विवेदी, सुसज्जित तिवारी, हनुमना जनपद

पंचायत अंतर्गत कई ग्राम पंचायत सरपंच एवं भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे साथ ही विद्यालय

की गरिमा को बढ़ाने में अपना अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।



सरस्वती विद्या निकेतन मिसिरगावां में वार्षिकोत्सव हुआ संपन्न



द्वारा कार्यक्रम को बढ़ाई ही अच्छे तरीके से कार्यक्रम को संपन्न किया गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं का भरपूर सहयोग रहा साथ ही प्राचार्य आनंद मिश्रा के द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र बीआरसी हनुमना के द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही बच्चों का मनमोहक कार्यक्रम देश भक्ति एवं छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा गरिमा मयी प्रस्तुत बड़ी ही सराहनी रही विद्यालय परिवार कई तरह से बच्चों की मनोहर छवि बनाकर प्रस्तुत किया जिसमें विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाओं का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्कूल प्राचार्य आनंद मिश्रा के द्वारा सभी अर्थियों के आगमन पर आभार व्यक्त किया गया।

द्वारा कार्यक्रम को बढ़ाई ही अच्छे तरीके से कार्यक्रम को संपन्न किया गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं का भरपूर सहयोग रहा साथ ही प्राचार्य आनंद मिश्रा के द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र बीआरसी हनुमना के द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही बच्चों का मनमोहक कार्यक्रम देश भक्ति एवं छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा गरिमा मयी प्रस्तुत बड़ी ही सराहनी रही विद्यालय परिवार कई तरह से बच्चों की मनोहर छवि बनाकर प्रस्तुत किया जिसमें विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाओं का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्कूल प्राचार्य आनंद मिश्रा के द्वारा सभी अर्थियों के आगमन पर आभार व्यक्त किया गया।

बेटी की गुहार सुन मदत में आगे आया विप्र सेवा संघ



रीवा(पुष्पांजली टुडे)

बेटी की गुहार सुनकर हमेशा की भांति पीड़ित मानवता के मदत के लिये आगे आया विप्र सेवा संघ यज्ञ नारायण मिश्रा उम्र 45 वर्ष की मौत तीन दिन पहले मटुई तमिलनाडु में हो गई आज शाम डेड बॉडी गृह ग्राम में आयेगी जहां अंतिम संस्कार किया जायेगा मिश्रा जी को हार्ट की बीमारी थी लेकिन पैसे की तंगी के कारण न इलाज कराया ना परिवार को बताया मृतक के परिवार में तीन लड़की,बालक,माँ और पत्नी है आय का कोई साधन नहीं है रहने के लिये मकान नहीं परिवार अत्यंत गरीब है यंत्र तक कि अंतिम संस्कार के लिये आर्थिक संकट से जूझ रहा है बेटी ने सोशल मिडिया पर मदत की गुहार लगाई यह बात विप्र सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव शुक्ला को लोकमन शुक्ला और सोशल मिडिया के माध्यम से प्राप्त हुई श्री शुक्ल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात किये सहयोग के तौर 40 हजार रुपये की आर्थिक मदत की गई साथ ही बच्चे की पढ़ाई, मकान के लिये हर संभव मदत करेंगे सरकारी योजनाएं जिनका लाभ परिवार को नहीं मिल रहा ओ भी दिलाया जायेगा पत्रकार उपेंद्र द्विवेदी जी और रामु गर्ग ने राशन दिलाने की जिम्मेदारी ली विप्र सेवा संघ की तरफ से इन्होंने न किया सहयोग राजीव शुक्ला, सागर मिश्रा, विवेक तिवारी, बेनीमाधव शर्मा, डॉ एस एन तिवारी,अजय पाण्डेय, नीरज दुबे, प्रो महेश शुक्ला, हेमंत चतुर्वेदी,जानकी गौतम,मुनीश तिवारी, आनंद मिश्रा, अंजनी शुक्ला,अशोक मिश्रा,विनय त्रिपाठी, धीरेन्द्र पाण्डेय, शिवाकांत पाण्डेय, नित्यानंद मिश्रा, शिवम प्यासी, रंगनाथ तिवारी, हनुमान मिश्रा और अमित त्रिपाठी, अमित पाठक, योगेंद्र गौतम ने सहयोग किया

गोविंदगढ़ पुलिस की बड़ी कार्यवाही NDPS ACT के मामले में 8 महीने से फरार 30000 हजार के तीन इनामी आरोपी गिरफ्तार



हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में गोविन्दगढ़ थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल को स्टाफ सहित मिली बड़ी सफलता 1000 शीशी कोरेक्स के जन्की के मामले में 30000 हजार के 8 महीने से फरार तीन आरोपीयो को दो अलग-अलग मामलों में किया गिरफ्तार थाना गोविंदगढ़ में अपराध क्रमांक 234/23 ,309/23, धारा 8/21,22 NDPS, 5/13 औषधि अधिनियम के तहत आरोपी. 1 देवेन्द्र द्विवेदी पिता माधव प्रसाद द्विवेदी उम्र 63 वर्ष निवासी बांसा देवीन टोला .2 अजीम खान उर्फ नूर पिता अब्बास खान उम्र 25 वर्ष निवासी गोविंदगढ़ .3. तालिब खान पिता हामिद खान उम्र 24 वर्ष निवासी गोविंदगढ़ सभी थाना गोविंदगढ़ पर दर्ज कर विवेचना में लिया गया था जो उक्त आरोपी मामले में लगातार फरार चल रहे थे मुखबिर की सूचना पर थाना गोविंदगढ़ की पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया जाह्न से आरोपियों को जेल भेज दिया गया। कार्यवाही में मुख्य भूमिका थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ,उप निरी.सुशील सिंह स.उपनिरी.आर.जी वर्मा स. उपनिरी. संतोषी सिंह प्रधान आर.गंगा सेन, आर.विपिन सिंह आर.रवि बुनकर आर.राहुल पाण्डेय आर.उपेन्द्र सिंह बघेल,आर. कौशलेंद्र सिंह आर.सुंदरम मिश्रा आर. नीलेश सै. सुधाकर मिश्रा

चोरहटा थाना के नए थाना प्रभारी के आने से क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात, जगह- जगह हो रही अवैध शराब पैकरी

शिवम तिवारी (ब्यूरो रीवा) रीवा। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव के पहले जिले के बैकुंठपुर थाने से पुलिस निरीक्षक स्थानांतरित होकर थाना चोरहटा आए। उन्हें आए हुए महज 5 से 6 महीने हुए हैं, अब उन्होंने अपने थाना के अंतर्गत आने वाले हर गांव में शराब कि अवैध पैकरी की सौगात दे डाली।कई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाने से महज कुछ दूर चौराहे पर ही खुलेआम अवैध शराब बिक रही है, कुछ दिन पहले हुई जनसभा में एडिसनल एस.पी के सामने, एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी थी। लेकिन वो जानकारी बेअसर हुई,क्यूकी थाने में तो सब पहले से ही पता है, जब पुलिस आरोपी को कहीं से भी पकड़ कर ला सकती है, तो क्या थाने के बगल में चल रही अवैध पैकरी कि जानकारी थाना प्रभारी को न होगी। साथ ही क्षेत्र के जितने भी गांव हैं, वहां हर जगह शराब कि पैकरी चरम सीमा पर है, शराब दुकान से कम रेट में हर गांव में शराब उपलब्ध है। और जो शराब बेच रहे हैं, उनके पास शराब को बेचने का कोई लाइसेंस नहीं है, साथ ही शराब दुकानों से कम रेट में शराब बेच रहे हैं, कम रेट में बेचने के लिए



शराब कहा से आ रही है,यह जांच का विषय है। पूर्व में रहे थाना प्रभारी को आज भी याद कर रहे लोग-पूर्व में चोरहटा थाना प्रभारी रहे निरीक्षकों को आज भी लोग याद कर रहे हैं, पूर्व में शिवपूजन

हाथों सौंपी गई थी, उन्होंने ने भी क्षेत्र में किसी तरह का गलत काम होने देने कि अनुमति नहीं दी, जहां कहीं से जानकारी आती जाके कार्यवाही करते थे। लेकिन अब जो थाना प्रभारी आए हैं, उनको सब जानकारी होते हुए भी कोई कार्यवाही न करने से यही समझ आ रहा है, पूरा कारोबार ठेकेदारों और पुलिस कि मिलीभगत से चल रहा है। महीने में हर पैकरी वाली जगह से जाता है, पुलिस का अलग हिस्सा- सूत्र विश्वसनीय सूत्र ने यह भी बताया कि अवैध तरीके से शराब बेचने वाली से बात करने पर पता चला कि शराब बेचने के लिए हर विभाग का अलग हिस्सा जाता है, जिसमें पुलिस का हिस्सा सबसे ज्यादा जरूरी होता है, क्यूकी जिस महीने हिस्सा नहीं पहुंचता पुलिस उठाकर ले जाती है, अगर मोटी रकम मिल गई तो ठीक नहीं तो बड़े अधिकारियों को जानकारी देकर मीडिया बुलाकर, वाह- वाही लूट लेते हैं।अब हर गांव में हो रही अवैध शराब पैकरी बहुत बड़ा जांच का विषय है, युवा पीढ़ी पूरी तरह से नशे कि गिरफ्त में जाता दिखाई दे रहा है, अगर नशे का कारोबार इसी तरह बढ़ता रहा, तो आने वाले समय में एक भी युवा किसी काबिल नहीं रह जायेगा, यह हर गांव के निवासी का कर्तव्य बनता है, कि इन अवैध शराब तस्करो को रोके ताकि युवा पीढ़ी नशे कि गिरफ्त में न जा सके।

चोरहटा पुलिस ने उमरी बॉर्डर पर चलाया चेकिंग अभियान:चप्पे चप्पे पर नजर, संदिग्ध वाहनों और लोगों से पूछताछ, तलाशी के बाद छोड़ा



रीवा। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ सुरक्षा इंतजामों को भी पुख्ता किए जाने का खाका तैयार कर लिया गया है। इसी क्रम में उमरी बॉर्डर पर पहरा सख्त कर दिया गया है, नाके पर लगातार चेकिंग की जा रही है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक है वैसे-वैसे सुरक्षा की दृष्टि से जाक चौबंद की जा रही है। जिले के बॉर्डर पर



वाले उमरी बॉर्डर पर भारी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, ऐसे में अब बाहर से आने वाले हर व्यक्ति की यहां पर चेकिंग की जाएगी तभी जिले में प्रवेश दिया जाएगा, जिले में आने जाने वाले लोगों में सभी सख्ती से पूछताछ सर्चिंग किए बगैर जिले में प्रवेश नहीं दिया जाएगा. स्थाई बंकर बनाकर आने-जाने वाले लोगों को रोका जा रहा है. चार और दोपहिया

चोरहटा उमरी चेक पोस्ट पर पुलिस ने कि दो कारों से कैश जप्ती बोलेंगे से 400000 एवं स्विफ्ट कार से 121000 रुपए किए गए जप्त



रीवा। चोरहटा थाना उमरी चेकपोस्ट में चेकिंग के दौरान पुलिस द्वारा दो बड़ी कार्यवाही की गई जिसमें बीरेंद्र द्विवेदी निवासी खुट्टहा बेला बोलेंगे गाड़ी से रीवा की ओर अग्रवाल



इ400000 नगदी लेकर जमीन कि रजिस्ट्री के लिए जा रहे थे, चेक पोस्ट में जांच करने पर उनके पास नगदी रकम को जप्त कर लिया गया है। साथ ही राकेश कुमार निवासी

कलेक्टर ने 13 आदतन अपराधियों को किया जिला बंदर

रीवा(पुष्पांजली टुडे)। जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने शिवम उर्फ शिवानंद पाण्डेय निवासी महिदल हाल मुकाम डेकहा रीवा, शिवा उर्फ मोहित यादव निवासी चोरहटा हाल मुकाम डेकहा रीवा, सचिन पाठक निवासी बरौली ठकुरान, बिपिन पाठक निवासी बरौली ठकुरान, विकास केशरवानी निवासी वार्ड क्रमांक 9 चाकघाट तथा मोहम्मद रफीक उर्फ कछू निवासी गोरगांव 165 को जिला बंदर के आदेश दिया है। इसी तरह आदतन अपराधी बृजेश उर्फ सोनु सिंह निवासी लौरी नम्बर एक, पुष्पराज मिश्रा निवासी बधरी, सोरभ सिंह निवासी तिलखन, मोहित सिंह निवासी गधुआनी, रवि शर्मा निवासी टीकर जकीरा टोला, देवी लोनिया निवासी वार्ड क्रमांक 5 पुराना बस स्टैंड रीवा तथा पंकज मिश्रा मनिकवार नम्बर दो को भी जिला बंदर के आदेश दिए गए हैं।

रीवा जिला 15 जुलाई तक के लिए जल भ्रमाव प्रस्त क्षेत्र घोषित कलेक्टर ने पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत प्रतिबंधों के दिये आदेश

रीवा(पुष्पांजली टुडे)। जिले में विभिन्न कार्यों के लिए भू-गर्भीय जल स्रोतों के अत्याधिक दोहन एवं तापमान बढ़ने के साथ जल स्तर में तेजी से गिरावट के कारण जिले में आसन्न पेयजल संकट के कारण कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने रीवा जिले में पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के तहत जिले को जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। आदेश के तहत जिले में 15 जुलाई 2024 तक किसी भी शासकीय भूमि पर स्थिति जल स्रोतों में पेयजल तथा घरेलू उपयोग को छोड़कर पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिले के सभी शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के समस्त जल स्रोतों जिनमें नदी, नाले, स्टाप डैम, सार्वजनिक कूप एवं अन्य जल स्रोत शामिल है

फसल की सही कीमत नहीं मिलने पर किसानों का हंगामा, अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

ग्वालियर: शहर के दीनापुर गल्ल मंडी में किसानों का हंगामा देखने को मिला। अपनी फसल की सही कीमत नहीं मिलने कपर किसानों ने व्यापारियों और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। नारेबाजी कर रहे किसानों का आरोप है कि उन्हें फसलों के सही दाम नहीं दिए जा रहे हैं। जबकि कुछ दिन पहले की ही बात की जाए तो दम बिल्कुल सही थे, लेकिन जैसे ही मंडी में आवक बढ़ी है तो फसलों के दाम कम कर दिए गए हैं।किसानों का आरोप है कि 10 दिन पहले सरसों का भाव 5600 दिया जा रहा था, लेकिन मंडी में जैसे ही आवक बढ़ने लगी है। तो अधिकारियों ने व्यापारियों से साठ गांठ कर दाम कम कर दिए गए हैं। जिसके कारण किसानों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जिसे पैसे की अधिक आवश्यकता है वही तो मजबूरी में अपनी फसल बेच रहा है। लेकिन यह पूरी तरह से गलत है। किसान अपनी बात आचार सहिता के चलते नहीं कर रहे विरोध किसानों की माने तो उनका कहना है कि हम किसी प्रकार का उधम या विरोध प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। हम तो अपनी बात कहकर अपना हक मांग रहे हैं। किसानों का कहना है कि आचार सहिता लग चुकी है और इस दौरान हम किसी भी प्रकार का विरोध प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य से भी कम दामों पर उनकी फसलों को खरीदा जा रहा है।

संपादकीय

ओटीटी पर चाबुक

ओबर द टॉक यानि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आजकल वैब सीरीज ने तालका मचाया हुआ है। कुछ वैबसीरीज का कंटेंट तो आम जिन्दगी से जुड़े विषयों पर आधारित है लेकिन अधिकतर वैबसीरीज तो केवल अरलीलता, हिंसा और गाली-गलौपी ही परोस रहे हैं। जिस तरह की सामग्री ओटीटी पर परोसी जा रही है उसे लेकर कई बार विवाद भी गहरे चुके हैं। कई वैबसीरीज धार्मिक भावनाओं को आहत करते दिखाई दे रहे हैं तो कई हिंसा और क्रूरता को प्रोत्साहित करते दिखाई दे रहे हैं। इस तरह का प्रस्तुतिकरण इसके समान है कि एक व्यक्ति एक रिहायशी कालोनी में इस आधार पर कबरा फैलाता है कि कालोनी में पहले से ही बहुत गन्दगी है। इंटरनेट पर अरलील सामग्री की तो पहले ही बाढ़ है और अब ओटीटी दिन-रात अरलीलता की गंदगी फैला रहा है। सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी पर अरलीलता परोस रहे 18 प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया है। उनके सम्बन्धित 19 वैबसाइट, 10 एप और 57 सोशल मीडिया हैंडल पर भी कार्रवाई की गई है। यह एक्शन आईटी अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और महिलाओं का अरलील प्रतिनिधित्व अधिनियम सहित कई कानूनों के उल्लंघन के आधार पर लिया गया है। केन्द्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर बार-बार क्राइमिंटिव लिबरटी की आड़ में अरलीलता, आपत्तिजनक और दुर्व्यवहार का प्रचार न करने के लिए प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी पर जोर देते रहे हैं। सरकार बार-बार यह कहती है कि आईटी नियम 2021 के तहत ओटीटी प्लेटफॉर्मों को स्व-नियमन यानि सैल्फ रेगुलेशन पर जोर देना चाहिए लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म सारी हदें पार कर रहे हैं। देश में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्मों को पास स्ट्रीम की गई सामग्री को नियंत्रित करने के लिए कोई नियमक संस्था नहीं है। ओटीटी सेवाएं दर्शकों को सीधे इंटरनेट के माध्यम से प्रदान की जाती हैं और सरकार ऐसे प्लेटफॉर्म को माध्यम मानती है जहां वे अधिकतर क्षेत्र का प्रयोग नहीं कर सकते। हालांकि सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी कम्पनियों के लिए निर्देश-निर्देश जारी कर रखे हैं लेकिन वह भी ज्यादा टोस नहीं लगते। पहले कानून की जरूरत महसूस नहीं होती थी लेकिन वर्तमान स्थिति में एक ऐसी संस्था की जरूरत महसूस की जा रही है जो ओटीटी प्लेटफॉर्मों द्वारा प्रदान की जाने वाली सामग्री को नियंत्रित करे। ब्रिटेन, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया, तुर्की, सऊदी अरब और कुछ अन्य देशों में ओटीटी प्लेटफॉर्मों को किसी भी सार्वजनिक सेवा प्रसारक की तरह जांच का सामना करना पड़ता है। ओटीटी पर सेंसरशिप को लेकर समाज में भी अलग-अलग विचार सामने आते रहे हैं एक संकेत के अनुसार, 57 प्रतिशत लोग (लगभग 1005) ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के लिए आंशिक सेंसरशिप का समर्थन करते हैं। उनका मानना है कि ऐसे प्लेटफॉर्म पर बहुत सारी आपत्तिजनक सामग्री यानी जनता के देखने के लिए अनुपयुक्त सामग्री डाली जाती है। सेंसरशिप का समर्थन करने वाले अधिकांश लोग 40 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क हैं। हालांकि, इस तरह की सेंसरशिप के खिलाफ सबसे मजबूत तर्क यह है कि ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर सामग्री सार्वजनिक ऑन डिमांड है, जहां दर्शकों के पास भुगतान करने और क्या देखना है यह चुनने का विकल्प होता है। इसके अलावा, फिल्मों की चोरी एक और कारक है जिसके कारण फिल्म निर्माता ओटीटी का रास्ता अपनाते हैं। बड़ी संख्या में ऐसे कलाकार हैं जिनके पास सिनेमा के माध्यम से अपने रचनात्मक विचारों को प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है, ओटीटी उनके लिए एक बड़ी सफलता के रूप में आया है। शायद यह मनोरंजक कहानी बनाने के लिए एक योग्य आधार प्रदान करता है और यही कारण है कि अधिकांश दर्शक ऐसे प्लेटफॉर्मों द्वारा प्रदान की जाने वाली सामग्री की ओर आकर्षित होते हैं। वे राजनीतिक दलों की भागीदारी से निडर हैं और इसलिए साहित्यिक आख्यान और कथानक प्रस्तुत करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को चित्रित करते हैं जो किसी न किसी कारण से मुख्यधारा के सिनेमा में शामिल नहीं हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म किस तरह से लोगों को मानसिक रूप से गुलाम बनाते, उनके विचारों प्रभावित करने और कंपनियों के उत्पादों की खरीदारी बढ़ाने के लिए उनकी रुचि बदलने के लिए किस हद तक पहुंच चुके हैं, यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। यही काम अब ओटीटी प्लेटफॉर्म भी करते नजर आ रहे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शकों में भारी वृद्धि हो रही है और यह प्लेटफॉर्म निरंतर प्रगति कर रहे उद्योग का रूप ले चुका है। सवाल यह भी है कि जनता क्या पहचानेगी, क्या खपेगी, क्या देखेगी इस संकेत में फैसले सरकार नहीं ले सकती लेकिन देश की संस्कृति और संस्कारों को बचाए रखने के लिए कहीं न कहीं तो अंशुघण्टागाना ही पड़ेगा। अरलील, अनेतिक और महिलाओं को आपत्तिजनक ढंग से पेश करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने की जरूरत है। वर्तमान परिदृश्य में यह सवाल है कि इंटरनेट सामग्री स्ट्रीमिंग के स्व-नियामक निकाय द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसलिए ऐसे नियमों की जरूरत है जो लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखें और एक स्वस्थ तंत्र कायम हो सके।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस स्कीम को असंवैधानिक घोषित करने के बाद यह आदेश भी दिया था कि चुनावी बांड जारी करने वाले स्टेट बैंक को सभी बांड प्राप्तकर्ताओं तथा उन्हें खरीदने वालों की सूची भी जारी करनी चाहिए।

चुनावी चन्दे का गोरख धंधा!

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2018 की चुनावी बांड स्कीम को गैर कानूनी करार दिये जाने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह पैदा हो रहा है कि इस योजना का ताम देश के लगभग सभी बड़े राजनीतिक दलों ने उठाया और चुनावी चन्दा विवादास्पद कम्पनियों से लिया? बेशक कुल चुनावी चन्दा का सबसे बड़ा भाग सत्ताधारी भाजपा के खाते में गया परन्तु अन्य राजनीतिक दलों ने भी चन्दा लेने से गुरेज नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय ने इस स्कीम को असंवैधानिक घोषित करने के बाद यह आदेश भी दिया था कि चुनावी बांड जारी करने वाले स्टेट बैंक को सभी बांड प्राप्तकर्ताओं तथा उन्हें खरीदने वालों की सूची भी जारी करनी चाहिए। काकी हीत-हुज्जत के बाद और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कड़ा रुख अपनाया जाने के बाद बैंक ने यह सूची भी जारी कर दी परन्तु यह जानकारी छिपा ली कि कुल बांड धनराशि में से किस कम्पनी के कितने बांड किस राजनीतिक दल को दिये गये। अब यह जानकारी भी स्टेट बैंक आगामी सौमवार तक उपलब्ध करा देगा जिसे न्यायालय के आदेशानुसार चुनाव आयोग सार्वजनिक कर देगा। अभी तक जो जानकारी उपलब्ध हुई है उसके अनुसार 2018 में संसद में कानून बना

कर लागू की गई चुनावी बांड स्कीम के तहत अप्रैल 2019 से फरवरी 2014 तक कुल 12,156 करोड़ रुपये के बांड राजनैतिक दलों ने बनाये जिन्हें 1300 से अधिक कम्पनियों ने स्टेट बैंक से खरीदा था। इन कम्पनियों ने ये बांड खरीद कर अपनी मनपसन्द राजनैतिक पार्टियों को दिये। इनमें सर्वाधिक आधी के लगभग 6060 करोड़ की धनराशि के बांड भारतीय जनता पार्टी के पास गये जबकि दूसरे नम्बर पर प. बंगाल की ममता दीदी की तुणमूल कांग्रेस पार्टी रही जिसे 1609 करोड़ के बांड मिले। तीसरे नम्बर पर कांग्रेस पार्टी 1422 करोड़ के बांड पाकर रही। चौथे नम्बर पर तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (1215 करोड़ रु.) व पांचवें नम्बर पर ओडिशा की सत्ताधारी पार्टी बीजू जनता दल (775 करोड़ रु.) प्राप्त कर रही। बांड खरीदने वाली 1300 कम्पनियों में सर्वोच्च बांड चुनीन्दा बीस कम्पनियों ने खरीदे। इनमें सबसे ऊपर लाट्रेट्टी का कारोबार करने वाली तमिलनाडु की फ्यूकर गेमिंग व हेल्थ सर्विसेज प्रा. लि. कम्पनी रही जिसने कुल 1368 करोड़ रुपए के बांड खरीदे। दूसरे नम्बर पर हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग (866 करोड़ रु.), तीसरे नम्बर पर विक्क सप्ताई चैन (410 करोड़ रु.), चौथे नम्बर पर हल्दिया इंजीनियरिंग (377

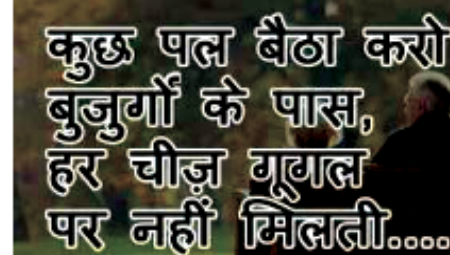
करोड़ रु.), पांचवें नम्बर पर वेदान्ता लि. (376 करोड़ रु.), छठे नम्बर पर एक्सल माइनिंग (225 करोड़ रु.), सातवें वेस्टर्न यूपी पावर (220 करोड़ रु.), आठवें नम्बर पर भारतीय एयर टेल (198 करोड़ रु.), नौवें नम्बर पर कैंबेकर फूड पार्क (196 करोड़ रु.) व दसवें नम्बर पर एम.के. जे.ए.ए.ए.ए. (192) करोड़ रु.) रही। इन प्रथम दस कम्पनियों में से अधिसंख्य के खिलाफ आरोप लग रहा है कि इन्होंने प्रवर्तन निदेशालय व आयकर विभाग व सीबीआई के छापों के डर की कजह से चुनावी बांड खरीद कर भाजपा व अन्य दलों को चन्दा दिया। इनमें से कुछ के बारे में जो तथ्य प्रकाश में आ रहे हैं वे बता रहे हैं कि कुछ ने तो छापा पड़ जाने के बाद चुनावी बांड खरीदे। विष्णु आरोप लगा रहा है कि ऐसा इन कम्पनियों ने अपने खिलाफ दर्ज मामलों को रफ-दफा करने के लिए किया। अब सवाल यह है कि यदि यह सच है तो इन कम्पनियों ने विष्णु पार्टियों को चन्दा क्यों दिया क्योंकि कुल 12सी करोड़ रु. के बांडों में से 600 करोड़ रु. के बांड विष्णु दलों के खातों में ही गये हैं? दूसरा सवाल यह भी पैदा हो रहा है कि यदि प्रवर्तन निदेशालय या आयकर विभाग ने ऐसी कम्पनियों की कुछ सम्पत्ति को अनियंत्रित



दलों को पिता दिया। अतः एक-दूसरे पर आरोप लगाने का क्या औचित्य बन सकता है। तीसरा सवाल यह भी है कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड स्कीम को असंवैधानिक घोषित कर दिया था तो विष्णु दलों ने अपनी तरफ से ही चन्दा देने वाली कम्पनियों के नामों का खुलासा क्यों नहीं किया जिससे वे जनता की नजर में पाक-साफ बने रहने का उपक्रम कर सकती थीं? सवाल और भी बहुत बड़े-बड़े हैं। इनमें मुख्य सवाल यह है कि जब अपने बजट नाम का खुलासा करने का कोई प्रावधान नहीं था। उस समय संसद में विष्णु दलों ने इसका विरोध भी किया था मगर बाद में वे खुद भी इस स्कीम में शरीक हो गये। इसी बजट भाषण में स्व. जैतली ने विदेशी कम्पनियों की परिभाषा भी बदल दी थी जिससे उनकी भारत में स्थित शाखाएं चुनावी चन्दा दे सकें और इसे पिछले समय से लागू किया था। इसकी वजह एक ही थी कि कांग्रेस व भाजपा पूर्व में ऐसी ही कम्पनियों से चुनावी चन्दा लेने के मामले में फंसी हुई थीं।

अनुभवी, परिपक्व, चिंतक समाज और देश के दिग्दर्शक, राष्ट्र की धरोहर

संजीव ठाकुर
यह विडंबना है जब मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व, प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगनशीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि इस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्त्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का उपयोग करना चाहते हैं। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों को लोगों का उनके जीवन में इस्तेमाल उचित ना समझ कर बर्दाशत नहीं करते हैं, इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उल्लेख करने लगे हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का साध्य काल अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्गों व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितुष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाशत कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विरिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्त्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड वाली इस ज़िन्दगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरू कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। अस्वस्थता स्वर्णित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धावस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है। वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख तर्क सीमित तथा अल्प धन का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या फिर एप पर रहना, उस दंपति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहाँ की संस्कृति में परिवार के बुजुर्गों को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के



अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या फिर एप पर रहना, उस दंपति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहाँ की संस्कृति में परिवार के बुजुर्गों को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के

अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरूप युवा पीढ़ी के रहन-सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्प्युटेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है। यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने खड़ा प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उभेका का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उभेका का मूल कारण होता है। व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उभेचित और समस्या वस्तु होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि शैल्वर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है मेरे साथ रहो, रुको बूढ़ हो, अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है। वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगतार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

सावधान चुनाव आचार संहिता लागू आहे

प्रेम शर्मा
निश्चित तौर पर विधानसभा का चुनाव उस राज्य की जनता का भविष्य तय करता है। जबकि लोकसभा का चुनाव पूरे देश के भविष्य की धुरी है। केन्द्र सरकार की नियत और योजनाओं का बड़ा असर ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, जिला पंचायत एवं स्थानीय निकायों तक देखा जाता है। अब जबकि 47 दिनों की चुनाव प्रक्रिया का विमुक्त आयोजन नंवा दिया है। तो इतना तय है कि केवल राजनैतिक दल, सत्तासीन नेता, विपक्षी नेता, मंत्री से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों का एक दायरा दय कर दिया गया है। क्योंकि यह दौर अत्यन्तुधुिक तकनीक और सोशल मीडिया का है। जगह जगह कैमरे, गांव गांव मोबाईल कैमरे होने के कारण आपकी एक छोटी सी गलती आपका जीवन तबाह कर सकती है। निश्चित तौर पर एक दूसरे को पटकनी देने के लिए मैदान में आने वाले दल भी इसी टोह में रहते हैं कि कब उसे विपक्षी की कोई आधार संहिता उल्लंघन की वीडियो, फोटोज आदि मिल जाए और उस पर हमला कर सके। यही कारण है कि सरकारी मशीनरी के साथ और करीब नजरे आपकी आसपास तैनात रहती है। ऐसी स्थिति में अगर आपसे एक घूक हुई तो इससे आपका भविष्य चौपट होना तय है। यही नहीं सोशल मीडिया के इस दौर में सत्तासीन दिग्गज नेता भी कई बार इसकी चपेट में आ चुके और उनका कैरियर खत्म हो गया। ऐसे हजारों उदाहरण हैं लेकिन लंबोलुआर यह कि चुनाव आचार संहिता के दौरान यह समझ ले कि कोई न कोई आपका पीछा कर रहा है। राजनीतिक दल या नेता ही नहीं, अगर आम आदमी भी आधार संहिता का उल्लंघन करता है तो उसे भी जेल की हवा खानी पड़ सकती है। यह जान ले कि चुनाव के दौरान सभी सरकारी कामकाज बंद नहीं होते हैं। तिहाड़ा, अगर कोई सरकारी अधिकारी आपसे काम को करने से इनकार कर देता है। यह नियम है कि आपकी जिंदगी से जुड़े जरूरी काम आधार संहिता लागू होने के बाद किसी भी सूत्र में बंद नहीं होंगे। लेकिन आयोग ने इसके अलावा कुछ काम काजों पर अवश्य रोक लगाई है। जैसे लोकसभा चुनाव व विधानसभा उपचुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने पर प्रत्याशी ऐसा बयान नहीं दे सकते जिससे किसी व्यक्ति की शालीनता और नैतिकता का हनन होता हो। कोई भी प्रत्याशी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा कि जो आपकी घुणा पैदा करे और वोट हासिल करने के लिए जाति या संप्रदायिक आधार पर कोई अपील नहीं करेगा। सार्वजनिक या निजी स्थान पर सभा आयोजित करने, जुलूस निकालने और लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने से पहले स्थानीय पुलिस अधिकारियों से लिखित अनुमति लेना जरूरी है। यही नहीं इस दौरान आम आदमी द्वारा भी किसी तरह की धर्म विरोध को भड़काने और किसी के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटना सामने आती है तो इसके लिए स्थानीय पुलिस अलग अलग धारा के तहत कानूनी कार्रवाई करेगी। आधार संहिता लागू होते ही राजनीतिक पार्टियाँ और प्रत्याशी रात 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे के बीच लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं कर सकते किसी के घर पर उसकी अनुमति के बिना पोस्टर, बैनर या झंडा नहीं लगा सकता। राजनीतिक दल मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए अपनी गाडी की सुविधा भी नहीं दे सकते। मतदाता को अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए उरा या धमका नहीं सकते हैं। धार्मिक स्थलों का चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते। यही नहीं किसी सरकारी अधिकारी, कर्मि की ट्रांसफर नियुक्ति नहीं होगी। यदि तबादला करना बेहद जरूरी है तो चुनाव आयोग से स्वीकृति लेनी होगी। चुनाव कार्यों से जुड़े अधिकारी को किसी भी नेता या मंत्री से उसकी निजी यात्रा या आवास में मिलने की मनाही होगी। सरकारी भवनों में पीएम, सीएम, मंत्री, राजनीतिक व्यक्तियों के फोटो निषेध होंगे। सरकारी की उपलब्धियों वाले प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और अन्य मीडिया में विज्ञापन नहीं दे सकेंगे। अब बाँत करें मंत्री-विधायक के बारे में तो चुनाव

आयोग ने मुख्यमंत्री अपने जिला अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग नहीं कर सकते। सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अतिथि गृहों में ठहरने की व्यवस्था नहीं होगी। किसी भी रूप में किसी भी वित्तीय अनुदान की घोषणा नहीं करेंगे और न ही वादा करेंगे। किसी परियोजनाओं या योजनाओं की आधारशिला नहीं रखेंगे। सड़क बनवाने, पीने के पानी को लेकर काम शुरू करवाना का वादा भी नहीं कर सकते। मंत्री अपने आर्थिक कारिक दौरे के समय चुनाव प्रचार नहीं कर सकते। प्रचार के लिए सरकारी गाड़ियों, विमानों या किसी दूसरे सुविधाओं का भी इस्तेमाल नहीं कर सकते। सरकारी खर्च पर चुनावी रैली या चुनाव प्रचार नहीं कर सकते। सरकारी वाहनों का इस्तेमाल सिर्फ अपने निवास से लेकर दफ्तर तक कर सकते हैं। सरकारी खर्च पर कोई पार्टी या इफ्तार पार्टी का आयोजन नहीं कर सकते। सत्ताधारी पार्टी सरकारी पैसे से सरकार के काम का प्रचार-प्रसार नहीं कर सकती। विधायक या मंत्री अपने विकास फंड से कोई ईश्वर नहीं जारी कर सकते। कोई भी नया सरकारी काम शुरू नहीं होगा। किसी नए काम के लिए टेंडर भी जारी नहीं होंगे। ध्यान रहे अगर कोई आम आदमी भी नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उस पर भी आदर्श आचार संहिता के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रिठौरकलां थाना पुलिस को मिली बड़ी उपलब्धि

42 घण्टे में किया 77 लाख 78 हजार रुपये की चोरी का खुलासा

मशरूका बरामद 2 आरोपी गिरफ्तार



परियारी से संदिग्धों के संबंध में पूछताछ की जाकर सायबर सेल मूराना स समन्वय स्थापित कर तस्करीकी साध्य संकलित किए गए।

22मार्च को परियारी भानु चाल्मीक निवासी ग्राम बरभारी थाना रिठौरकलां ने थाना हाजा पर उपस्थित अन्कर रिपोर्ट लेख कराई कि करीबन 40 दिन पहले उसने ग्राम बरभारी में स्थित अपनी 06 बीघा जमीन बेची थी और प्राप्त रकम करीब 77 लाख 78 हजार रुपये को अपने घर पर अलमारी के पीछे बैग में रख दिया था, यह कि दिनक 24.03.2024 एवं 22.03.24 की दृष्टियानी रात को अज्ञात चोरी द्वारा उसके घर में घुसकर अलमारी के पीछे रखे हुए बैग व करीबन 77 लाख 78 हजार रुपये चोरी कर लिए गए हैं, परियारी को उक्त रिपोर्ट पर से थाना रिठौरकलां पर अपराध क्रमांक 29 / 2024 अंतर्गत धारा 457, 380 धांविन का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना के बाद पुलिस अर्धचक्र मूराना द्वारा उक्त चोरी की घटना में अज्ञात आरोपी की शीघ्र पंवारसी, गिरफ्तारी एवं जाल-मशरूका की परामर्शों हेतु थाना प्रभारी रिठौरकलां को निर्दिष्ट किया गया। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अर्धचक्र के निर्देशन एवं एसडीओपी बाबैर के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रिठौरकलां द्वारा उक्त चोरी की घटना के अन्वेषण की पतारसी हेतु थाना स्तर पर टीम गठित कर मुखबि्र मापुर किए गए, एवं

उक्त कार्रवाई में कार्यबद्ध निरी. जिन्दो दोहरे थाना प्रभारी रिठौरकलां, कार्यवाहक निरीयक दीपेन्द्र यादव प्रभारी सायबर सेल, डॉ. अभियेक जादौन सचवर सेल, डॉ. मेधा सोनी, सजिन कमल दोहरे, प्रअर, अरुण सिंह, प्र.अर. राजकुमार, प्र.अर. दिनेश सिंह, प्र.अर. सुबोध भटोले, प्र.अर. शिवुपाल सिंह, प्र.अर. सुरेश कुमार, अर. शेर सिंह, अर. सोनेन्द्र सिंह, अर. अभियेक सिंह, अर. सुरेन्द्र सिंह, अर. प्रदीप सिंह, अर. अजित सिंह, अर. केवल सिंह, अर. इन्दरजीत सिंह, अर. सुभिनकर भटौरिया, प्र.अर. पूजा शर्मा, प्र.अर. मीनू खडवत थाना रिठौरकलां अर. स्तेन्द्र सिंह यादव, अर. रूपसिंह एसडीओपी कार्यालय चांमरी का सहनीय भूमिका रही है।

पहाडगाढ़ थाना पुलिस ने अवैध रेत का परिवहन करते ट्रैक्टर ट्रेली पकड़ा



को निरीयक राजेन्द्र सिंह परितर थाना प्रभारी पहाडगाढ़ को जरिए मुखबि्र द्वारा सूचना मिली कि एक स्वराज 735 ट्रेक्टर जिसकी ट्रेली में चंखल नदी का अवैध रेत भर हुआ है, केदारस से कन्वर तरफ ले जाया जा रहा है, मुखबि्र की-उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी पहाडगाढ़ द्वारा मय इमारह फेरस के केदारस-पहाडगाढ़ रोड पर चौकंग लगाई गई, चौकंग के दौरान एक स्वराज 735 ट्रेक्टर केदारस तरफ से अज्ञा दिखलाई दिया, जिसके चालक द्वारा पुलिस को- देखकर ट्रैक्टर को तेज गति में चलकर भंगते का प्रयास किया गया, जिसे इमारह फेरस की मदद से पकडकर ट्रेक्टर-ट्रेली को चौक किया गया, जो उसकी ट्रेली में चंखल नदी का अवैध रेत भर हुआ पाया गया, उक्त ट्रैक्टर पर रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित, नई या तदोपरात उक्त ट्रेक्टर- (इंजन नम्बर 39-354/ग्राउ00883गत व चैसिस नम्बर 7/ग्राउ304284225) को मय चंखल नदी के अवैध रेत से भरी हुई ट्रेली के निश्चित जाह कर आरोपी चालक के विरुद्ध थाना पहाडगाढ़ पर अपराध क्रमांक 44 / 24 अंतर्गत धारा 379,444 ताह.4(, 240), खान एवं खजिब (विस्वास का विनियमन) अधिनियम 4957 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

पुलिस अधीयक मूराना द्वारा जिले में रेत व पत्थर का अवैध रूप से परिवहन, उखनन एवं भण्डारण करने वाली के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मूराना जिले में विशेष अभिधान संचालित कराया जाकर जिला मूराना के समस्त एसडीओपी स्तर के अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को चंखल नदी के अवैध रेत परिवहनमा उखनन /भण्डारण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्दिष्ट किया गया।

उक्त कार्रवाई में निरीयक राजेन्द्र सिंह परितर, थाना प्रभारी पहाडगाढ़ मय इमारह फेरस डॉ. न.के. गौरिसिया, सजिन रामभाजू निरीयक, प्रअर देवेन्द्र मथेल, प्रअर. श्रीधर रावत, अर. प्रदीप जाट, अर. अर्जुन, अर. विजय, अर.सुमित, अर.राजेश, अंशु यादव, अर. विक्रम भटौरिया, अर. हरेंद्र भटौरिया, अर. मोहन अलख को सहानीय भूमिका रही है।

विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य में किया गया सामुदायिक सभा का आयोजन

जन समुदाय को टी वी एवं एचआईवी एड्स के प्रति किया गया जागरूक, क्षय रोगियों को सामूहिक रूप से वितरण किया गया पोषण



विश्व क्षय दिवस 24 मार्च 2024 के उपलक्ष्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रंकेश शर्मा के निर्देशन व मार्गदर्शन में क्षय इकाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोरा द्वारा सी एच सी पर सामुदायिक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र सिंह सैमिल, एम ओ टी सी डॉ. कुसुमेन्द्र सिंह सिकरवार, एस टी एस दिनेश पावरी, एस टी एस एएस रणधीर गोयल, आई सी टी सी के परामर्शदाता संदीप सेंगर, मनोज शर्मा, टी बी एच एच टी रणधीर शर्मा, टी बी चैम्पियन हलबोर्गेर अर्गल, लेख टेक्नीशियन फखरुल्ला, जी एल अर ए धर्मेन्द्र एवं समाज सेवी लखन सिंह कुरावाहा, रामेश्वर सिंह टेंकेदार, तथा एक सैकड़ों से अधिक क्षय रोगी व उनके परिवार जन उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. राजेंद्र सिंह सैमिल ने कहा कि आप सभी क्षय

रोगी नियमित रूप से टी बी बीमारी को दवाइयों का सेवन करते हैं, आप के द्वारा दवाइयों के निर्दिष्ट सेवन करने से टी बी बी बीमारी जाड़ से समाप्त हो जायेगी तथा आप पहले जैसे स्वस्थ हो जायेंगे इस अन्तर पर डॉ. कुसुमेन्द्र सिंह सिकरवार ने क्षय रोगियों को इलाज के दौरान रखने वाली सावधानियों एवं परिवार के लोगों को टीबी रोग से बचाव के बारे में समझाहरा दी तथा एस टी एस दिनेश पावरी द्वारा टीबी रोग की पहचान, लक्षण, निदान, उपचार की विस्तृत जानकारी के साथ ही भारत सरकार का संस्कृत 2025 तक भारत देश से टीबी रोग समाप्त करने का संकल्प वाद दिलाया एवं उपस्थित जनसमूह के साथ 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' के नारे लगाए गए । एस टी एल एस रणधीर गोयल द्वारा रोगियों को उपचार के दौरान प्रत्येक दो माह पर फॉलोअप जांच करने हेतु प्रेरित किया गया एवं अपनी दिनचर्या में डॉक्टर पीप्टिक आहार लेने के साथ स्वास्थ्य संबंधी अन्य जांचे निर्दिष्ट रूप से कराने को कहा गया । कार्यक्रम में आई सी टी सी के परामर्शदाता संदीप सेंगर द्वारा उपस्थित लोगों को आई सी टी सी की कार्य प्रणाली से अवगत कराते हुए एचआईवी एड्स के बारे में जागरूक किया तथा एचआईवी से ग्रसित होने के चार कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कहा कि जो लोग टी बी रोग से ग्रसित हैं या जिनमें टीबी रोग से संबंधित लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो उन सभी लोगों को अपनी एचआईवी की जांच अवश्य करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के गुप्त रोग से ग्रसित व्यक्ति भी आईसीटीसी पर आकर उचित परामर्श लेकर अपनी जांच करा सकते हैं इस अन्तर पर उन्होंने एचआईवी एड्स, टी बी बीसडी का टीका तथा सिफॉलिस, हेपेटाइटिस की उरि के बारे में भी लोगों को जागरूक किया कार्यक्रम में डॉक्टर पट्टिल से अपना उपचार ले रहे लगभग 60 से अधिक रोगियों को सामूहिक रूप से पोषण आहार का वितरण किया गया।

सत्यप्रतिशत मतदान करने के लिए रंगोली सजाकर स्कूलों में आंगनबाड़ियों में मतदान केन्द्रों पर लोगों को मतदान के लिए किया गया जागरूक

हाइरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर व स्कूलों में तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रंगोल्या सजाकर, तथा शायद दिलाकर लोगों को सत प्रतिशत मतदान करने के लिए आज प्रेरित किया गया इस



पौरसा। जिलाधीश अकित अस्थाना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी इच्छत गढ़वाल जिला पंचायत मूराना, के निर्देश अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद सीईओ देवेन्द्र जैन, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी सपना यादव पौरसा, मय प्रदेश जन अभियान परियद के जिला अधिकारी श्री सतीश सिंह तोमर,, एवं ब्लॉक समन्वयक श्री राधा शरण पुरोहितके तत्वाधान में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदाता जागरूकता प्रोग्राम स्वीप के अंतर्गत प्रत्येक सभी नगरीय एवं शहरी बूथों पर रंगोली सजाकर तथा सपथ दिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया आज ब्लॉक कि जवादार मतदान केन्द्रों पर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शायद दिलाकर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की कार्यक्रम आयोजित किए गए, स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया गया घर-घर गुलाल लगाना है मतदान का प्रतिशत बढ़ाने हे हेतुली के रंग मतदान के संघ इस आशय से सभी मतदाताओं को जागरूक किया गया। मतदाताओं को 7 मई में को होने वाले लोकसभा निर्वाचन में बल-चतु कर भागीदारी लेने के लिए शायद दिलाई गई रंगोली बनाकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया, उक्त कार्यक्रम चक्रवात सिंह एवं मिथिलेश तोमर के द्वारा कई जगह कार्यक्रम आयोजित हुए।

1600 वर्ग फुट की रंगोली के साथ ली 100 प्रतिशत मतदान कराने की शपथ



आज दिनांक 23/03/2024 का कलेक्टर अकित अस्थाना एवं मान मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं दिमनी विधान सभा से येआरओ मेधा तिवारी के निर्देशन एवं जिला परियोजना प्रबंधक एम मुख् कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अंबाह श्रीमती सुमनचक्र चौहान के सलाह निगरानी में जनपद परिसर अंबाह में 1600 वर्ग फुट की रंगोली बनाकर लोकसभा चुनाव 2024 में 100प्रतिशत मतदान कराने की शपथ ली। इस अन्तर पर दिमनी विधानसभा की सहायक टिनिंग अधिकारी मेधा तिवारी जनपद सीईओ श्रीमती सुमनचक्र चौहान एवं महिला बाल विकास अम्बाह के परियोजना अधिकारी अजय प्रताप,

रंकेश लोधा साथ समस्त जनपद स्टाफ एवं महिला मित्र व पुरय मित्र, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित राजौरिया, दुपंत शाक्य, मुकेश कुमर, सोनु, रहे।

विश्व जल संरक्षण दिवस मनाया गया



कहानी विकासखंड पंसीर के नगर कहानी खवास एवं रमपुरी में मय प्रदेश जन अभिधान परियद से नामांकृत संस्थान देवसर सोब संस्थान के आयोजन

से विश्व जल संरक्षण दिवस मनाया गया जिसमें उपस्थित जनों ने जल के संरक्षण का संकल्प लिया एवं नदी तटवर्ष को संरक्षित करने एवं स्वच्छ रखने का भी संकल्प लिया जिसमें उपस्थित संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सेन सचिव फालाद मरावी अकित झारिया किन्वय बंदेवर धर्मद कुमार अकित कुमार विमला बार्ई एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

मगत सिंह शहादत दिवस, लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में किसानों ने मनाया

केदारस - संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से दिवसी में आयोजित किसान महापंचायत के संकल्प के परिपालन में देशव्यापी आंदोलन पर ग्रामीण क्षेत्रों में शहीद ए आराम भगत सिंह, सुषमदेव, राजगुरु का शहादत दिवस लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में किसानों ने गांव-गांव में मनाया। इस मौके पर ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए किसान सभ के प्रदेश अध्यक्ष अलोक तिवारी ने कहा कि हम शहीदों की कुर्बानियों को याद करते हुए उनके अर्पुने सपनों को पूरा करने का संकल्प

संविधान को बचाने के लिए, भाजपा सरकार को हटाए। किसान विरोधी भाजपा सरकार को लोकसभा चुनाव में हराए। किसानों की वस्तुविक जीत तभी होगी। इस मौके पर किसान नेता गवामसिंह धकड़ ने विचार व्यक्त करते हुए किसानों से गांव-गांव में अभियान चलाने किसानों को जागृत कर लामबंद करने की अपील की। इस मौके पर बानखरी खल, रामनारायण सिंह, मनोराम, मनोज कुमार, सियाराम सिंह धकड़, प्रीम सिंह, गिरिज धकड़, धर्मद सिंह सही बड़ी संख्या में कार्यकर्तांज उपस्थित रहे।

श्रीनगर में स्वयंसेवकों ने नूतकड नाटक कर मतदाताओं से वोट देने की अपील



गोटगांव अंतर्गत ग्राम श्रीनगर स्थित श्री जगतगुरु शंकराचार्य कला व्यांगव्य एवं त्धाना शिक्षण महाविद्यालय का राष्ट्राय सवायोजन इकाई ने जिला निर्वचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती खीतला पटेल के संरक्षण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना रानी दुर्गावती विस्वविद्यालय समन्वयक डॉ.सोभराम मेहरा प्राबद्ध श्री. दिलीप पाठक के निर्देशन में एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अशोष ठाकुर प्रो.अकिता नामदेव के मार्ग दर्शन में नरसिंहपुर जिले के मत दान में प्रथम आने के उद्देश्य से ग्राम श्रीनगर में नूतकड नाटक कर मतदान के महत्व को कलकार प्राववास्विकों को लोकसभा चुनाव में अपने मत का सही उपयोग करने की जानकारी देते हुए मत दान करने की इच्छा दिलाई। इस अन्तर पर प्रो.विश्वकर्मान प्रो. कमल पटेल सहुनननन इतरापाल पटेल एसपी डेवरिया राजावूठे अधिकत नामदेव इंद्रजीत प्रजापति अर्चना सोनी सुनील कहार सत्येंद्र तिवारी भूपेशसेन चंदन विश्वकर्मा अभियेक साठू कैपस एवंसहाइर हिमांशु दाक्षिणा सुगुरी अश्वतार प्रियंका विश्वकर्मा रघिंतठाकुर पुष्येंद्र विश्वकर्मा रवि दर्शन सोनिना इतरवार

भारत में आए लोगों की इज्जत कुछ देर ही होती है- सुनील उईके

कोंरास की बैठक में भाजपा एवं कोंरास छेड़ भाजपा में गए तौरों पर जमकर बरसे नेता, बैठक में कार्यकर्ताओं की हम्मर उपस्थिति से खिले कार्यरिषों के चेहरे, बैठक में भाजपा से ज्वादा कोंरास के बारियों पर बरसे कार्यकर्ता, बैठक में कोंरासियों की उपस्थिति से पूरे लेकर अफवाह फैलाने वाली के उड़े होरा

अगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर रनिवार की सुबहदेव के श्रद्धा लॉन में ब्लॉक कोंरास की एक बड़ी बैठक आयोजित की गई। जिसमें हर वृच से प्रमुख कोंरास कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया था। जिले एवं जूवारदेव ब्लॉक से कोंरास नेताओं के भाजपा में जाने की लगातर आ रही खबरों के बीच बैठक में इतनी बड़ी संख्या में कोंरास कार्यकर्ताओं के पहुंचने से कोंरास नेताओं के चेहरे खिल उठे। कार्यकर्ताओं की हम्मर उपस्थिति से कोंरास के खिलाफ दुपचार करने वाली के भी होरा उड़ गए। बैठक में कोंरास नेताओं ने पार्टी छोड़कर जानेवालों पर जमकर हलाकतें करेते हुए कहा कि जो लोग आज पार्टी छोड़कर गए है वे ही वहाँ पर पार्टी में फूट डलने का काम करते थे। उनके जाने के बाद हम सभी एकजुट होकर उन्हें जमकर सबक सिखाएंगे एवं हमारे नेता कमलनाथ जी के नेतृत्व में नकूलनाथ को भारी मतो से जितारांग। बैठक को सम्बोधित करते हुए स्थानीय विधायक सुनील उईके ने कहा कि जो लोग भाजपा गए है उनका यहाँ बड़ा सम्मान मिलता था, वे जाईं आज गए है उनको थोड़ी बहुत पूछ परख सिर्फ चुननल तक ही है। चुनव हते ही इन एल बदनू नेताओं को हलता उन बरतियों की तरह हो जाएगी जैसी बारात की बियाई के बाद फूट जाने वाले बरतियों की होती है। आज जिस बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वहाँ पर आए है उससे पार्टी सिद्ध हो रहा है कि जो लोग भाजपा में गए है उनके बचकाने में कोई नही आएगा। हमे आगामी लोकसभा चुनाव में नकूलनाथ जी को हमारे ब्लॉक एवं विधानसभा से ऐतिहासिक मतो से विजयी बनाकर लोकसभा में पहुंचने दे। बैठक में विधायक सुनील उईके के साथ जिला कोंरास के कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद राध, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्रधाम शिखरी, शरित कोंरास नेता फाहख सिद्धीकी, सुधराम पटेल, जागदीश पटेल, श्री आर बाबिन, किरीत पन्कर, काशीराम पटेल, हेमराज पन्कर, अरुणेश जयसवाल, राजेश पाटिल, कमला भम्मकर, पद्मावती जयसवाल, सानिवा कहार, रयाम यदुवंशी, कैलास यदुवंशी, कैलाश पथरोडा, अजय साहू, प्रमोद कहार ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन अरण रालू एवं आभार प्रदर्शन ब्लॉक अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीईओ चौरई एवं संकुल प्राचार्य द्वारा किया गया शालाओं का औचक निरीक्षण

माध्यमिक शाला मोगांव खुरद मिला बंद, दस्तावेजों का नही है संभारण

चौरई विकास खण्ड अंतर्गत आज विकास खंड शिक्षा अधिकारी अर के बघेल एवं संकुल प्राचार्य रामजी वर्मा जी एम कन्या प्राचार्य मॉडर्न अस्थान के द्वारा माध्यमिक आरक्षित निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई शालाओं में घेर अनियमित पाई गईं। मुख्य रूप से शासकीय शाला फूटेरा, खौरापुर, माध्यमिक शाला मोगांव खुरद एम शासकीय हाई स्कूल समस्ताड़ा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान माध्यमिक शाला मोगांव खुरद बंद पाई गईं। फूटेरा की शाल के मोर्ची सत्कार की स्वच्छता अभियान की भणिवय उठा रही है। विद्यालय स्वच्छता और शिक्ष का प्रथम पड़ाव होता है।अधिकारियों द्वारा मातृका व्यक्त की गई एम शीघ्र ही सार्क सरकाई बनन के निर्देश दिए गए। शासकीय हाईस्कूल समस्ताड़ा के खस्ताहा निरीक्षण दल को स्वसे खस्ताहाल मिला, शासकीय हाई स्कूल समस्ताड़ा। प्राचार्य एकेश राय सिनयो से अर-डाउन कराते है। विद्यालय के मेटेनेल के लिए प्रतिबन् लार्खें रुपए शासन द्वारा विद्यालय को दिया जाता है किंतु शासकीय विद्यालय की पुनर्ई तक नही की गई है। वहाँ चाँो और गंदगी का अंधार लपट हुआ है, शौचालय खस्ता हाल पड़े हुए है, समसे अन्न बल तो है कि परीयं टाटक होने के बावजूद भी वहाँ पर शासकीय दस्तावेजों का नियमनुसार संभारण नही किया जाना पाया गया, ना ही विद्यालय में निरीक्षण पंजी बनई गई है, ना दस्तावेजों का सही ढंग से संभारण हुआ है। ज्ञात हो कि शासकीय हाई स्कूल समस्ताड़ा छिदवाड़ा से सिवने मुखे इहने वर्ग पर स्थित है। वह निर्वाचन का वृक्ष क्रमांक 72 है। लोकसभा चुनाव सिर पर है, लगातर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों द्वारा वृक्ष का निरीक्षण किया जा रहा है किंतु वहाँ के प्राचार्य और स्टाफ इनके आदेश को नज़रआं किया जाता है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर के बघेल चौरई द्वारा साक्षा दिशा निर्देश दिए गए हैं कि लक्ष्य विद्यालय की दारा को सुधर जाए एवं सार्क सरकाई तुते कर्णें जाए तथा नियमनुसार शासकीय दस्तावेजों का संभारण किया जाना होना अनव्या कारवाई की चेतना भी दी गई है।

जिला बंदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाहा पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ व

गुण्डा बंदमशाओं, के विरुद्ध धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। थाना पोहरी के जिलाबंदर आरोपी संतोष गिरी पुत्र नारायण गिरी उम्र 40 साल

सीमावर्ती जिले ग्वालियर, गुना, श्योपुर, अशोकनगर सीमा से बाहर जाने हेतु आदेशित किया था जिलाबंदर आरोपी संतोष गिरी द्वारा आदेश का उल्लंघन करने पर अनावेदक संतोष गिरी पुत्र नारायण गिरी उम्र 40 साल निवासी ग्राम घटाई थाना पोहरी को मुखविर सूचना पर से आज दिनांक 27.03.24 को भैरोंबाबा मंदिर ग्राम घटाई से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 188 भादवि, धारा 14 म.प्र.रासु.अधि. 1990 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के निर्देशन में तथा एस.डी.ओ.पी. पोहरी सुजीत भदौरिया के मार्गदर्शन में लोकसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने हेतु जिले में अवैध शराब, अवैध हथियार, जिलाबंदर,

निवासी ग्राम घटाई को जिलादण्डाधिकारी महोदय शिवपुरी के आदेश क्र. 12.4/रासुअ/2023/2306 दि.30.10.23 के द्वारा पारित आदेश में को 06 माह के लिए जिला शिवपुरी एवं जिले के

चुनावों के मद्देनजर शिवपुरी पुलिस की बारीतियों पर कार्यवाही जारी

पुलिस थाना पिछोर, दिनारा एवं बैराड़ द्वारा 04 स्थाई बारीतियों का किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाहा पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी-थाना दिनारा पुलिस द्वारा 07 वर्ष से फरार स्थाई बारीटी आरोपी पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री

किया गया है व स्थाई बारीटी को माननीय न्यायालय करार पेश किया गया। उक्त स्थाई बारीटी को गिरफ्तार किये जाने से में थाना प्रभारी

2024 को दृष्टिगत रखते हुए फरार स्थाई बारीटी को गिरफ्तार हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 27.03.2024 को माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पोहरी जिला शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 24/2020 के स्थाई बारीटी प्रभारती कुशवाहा

पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री संजीव मुले के निर्देशन में एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए महोदय द्वारा चलाये



अमन सिंह राठौड़, अति पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग करार द्वारा चलाये जा रहे स्थाई एवं गिरफ्तारी बारीतियों की धरपकड़ हेतु अभियान के पालन में आज दिनांक 27.03.2024 को माननीय जे एम एफ सी न्यायालय करार के प्रकरण क्र. 666/2017 का फरार स्थाई गिरफ्तारी बारीटी धर्मेन्द्र जाटव पुत्र जिला शिवपुरी को ग्राम टोकनपुर थाना करार से विधिवत गिरफ्तार किया गया है व स्थाई बारीटी को माननीय न्यायालय करार पेश किया गया। उक्त स्थाई बारीटी को गिरफ्तार किये जाने से में थाना प्रभारी दिनारा उ.नि. संतोष भांगव, प्र.आर. 401 निवासी चतुर्वेदी, प्र.आर. 252 हिमांशु चतुर्वेदी, प्र.आर. 439 मूलचन्ध सिंह, आर. 726 रामपाल जाट की सराहनीय भूमिका रही।

दिनारा उ.नि. संतोष भांगव, सजिन विनोद गौतम, प्र.आर. 252 हिमांशु चतुर्वेदी, प्र.आर. 401 निवासी चतुर्वेदी, प्र.आर. 439 मूलचन्ध सिंह, आर. 726 रामपाल जाट की सराहनीय भूमिका रही। बैराड़ पुलिस द्वारा 4 साल से फरार स्थाई बारीटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय किया पेश श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अमन सिंह राठौड़ एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी संजीव मुले एवं एसडीओपी महोदय पोहरी सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में लोक सभा चुनाव

पति स्व.बाबू कुशवाहा उम्र 50 साल निवासी गावडी कौलीनी बैराड़ थाना बैराड़ जिला शिवपुरी को कैदरस जिला मुना से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। **सराहनीय कार्यवाही:** निरी मनोज राजपूत, प्र.आर. 11 शिरोमणि सिंह, आर.802 अमित कुमार, आर.1162 रामअन्तार रावत, आर.960 अरुण विक्रम, म.आर.1068 वैशाली की विशेष भूमिका रही। पिछोर पुलिस को मिली बड़ी सफलता पांच साल से फरार 02 स्थायी बारीटी गिरफ्तार

जा रहे स्थाई बारीटी अभियान में दिनांक 27.03.2024 को थाना प्रभारी पिछोर श्रीमान पुलिस अधीक्षक रत्नेश यादव को जरिये मुखविर सूचना प्राप्त पर प्रकरण क्रमांक 435/19 में फरार स्थाई बारीटी पुष्पेन्द्र पुत्र दीवान सिंह यादव उम्र 23 साल निवासी दबिया कलाँ व प्रकरण क्रमांक 219/21 में फरार स्थाई बारीटी कन्हू पुत्र किशना आदिवासी उम्र 23 साल निवासी ग्राम बिसनपुर, थाना बमोर कलाँ को अपनी पुलिस टीम के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त स्थाई बारीतियों को गिरफ्तार किया। उक्त स्थाई बारीतियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

पुलिसिया होली में उड़ा रंग-गुलाल: एसपी-कलेक्टर ने भी एक दूसरे को लगाया गुलाल

राकेश परिहार पिछोर 9691338626 शिवपुरी, होली के दूसरे दिन पुलिस की होली का अपना अलग ही

पर डांस करने से ये अधिकारी भी अपने कदम नहीं रोक पाए। लगातार उड़ती देने वाले पुलिस कर्मियों ने अपने कप्तान के साथ होली

थे। होली के रंगों में इस तरह रंगी पहचान पाना मुश्किल हो रहा था। एसपी अमन सिंह राठौड़ ने कि कहा कि होली पर लोग खुशी-खुशी

होली मिलन का कार्यक्रम आयोजन किया गया था। जहां जिले के अधिकारियों ने कलेक्टर बंगले पर पहुंचकर कलेक्टर रविंद्र कुमार



अंदाज रहता है। परंपरा अनुसार होली के दूसरे दिन आज मंगलवार को पुलिस परेड ग्राउंड में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। रंगों के इस उत्सव में एसपी अमन सिंह राठौड़ ने अपने अधीनस्थों के साथ जमकर होली खेली, इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी भी शामिल हुए। मीडियाकर्मी भी उत्सव में शामिल हुए। इस उत्सव में पारंपरिक और पौराणिक गीतों

खेली तो उनका जोश भी दोगुना हो गया। इस उत्सव में कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी और एसपी अमन सिंह राठौड़ रंगों में रंगे नजर आए। फिल्मी गाने व देश भक्ति की धुनों पर कोई भी अपने कदम नहीं रोक सका। साथ में मौजूद लोग भी ठुमके लगाते नजर आए। उत्सव में जिले के सभी अनुविभागों के एसडीओपी एवं शहरी क्षेत्र के थानों के टीआई सहित तमाम एसएसआई, एसआई और आरक्षक एक साथ मस्ती करते नजर आ रहे



त्योहार मना सके, इसके लिए लगातार ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मी बधाई के पात्र है। ये रंगों का त्योहार है। आज हमारी होली का दिन है। होली रंगों का ही नहीं आपसी मनमुटाव को धोने वाला त्योहार है। साल भर ड्यूटी करके थक चुके पुलिस कर्मियों के उत्साह और उमंग को ये त्योहार दोगुना कर देता है।होली के दिन कलेक्टर बंगले पर उड़ा था गुलाल बता दें कि होली के दिन सोमवार को कलेक्टर बंगले पर भी

चौधरी को शुभकामनाएं दीं। इसके अतिरिक्त शहर के गणमान्य लोग भी बंगले पर पहुंचे थे। जहां एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गई थी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ भी कलेक्टर बंगले पर पहुंचे जहां उन्होंने होली की शुभकामनाएं दी थी और आज कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचे और पुलिस वालों की होली में शामिल हुए।

धूमधाम के साथ एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने पुलिस स्टाफ के साथ खेले होली

राकेश परिहार पिछोर 9691338626

पिछोर नगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी होली का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसके साथ ही शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में होली खेलने के बाद दूसरे दिन पुलिस प्रशासन द्वारा होली मनाई जाती है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एसडीओपी प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में सभी पुलिस स्टाफ द्वारा धूमधाम के साथ होली खेली गई। इस मौके पर एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने अपने अनुभाग के अंतर्गत सभी थाना प्रभारियों और अन्य स्टाफ के साथ होली मानते कहा कि पुरातन काल से ही यह परंपरा हमेशा से रही है कि पुलिस सबसे आखिर में होली का त्योहार मनाती है इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि आमजन अच्छे से होली मना सके। शान्ति एवं सद्भाव के साथ पिछोर में यह त्योहार मनाया गया।



शर्मा ने अपने स्टाफ को होलीका दहन के इस पावन पर्व पर सभी को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि होली जैसे पर्व पर आप लोगों ने ड्यूटी जैसे कार्य को ईमानदारी से निभाया। इस अवसर पर थाना प्रभारी रत्नेश यादव, गीतेश शर्मा, नीतू सिंह, सतीश जयंत, जहान सिंह दीपचंद, देशराज, अरुण, माधव, आनंद, अमित आदि उपस्थित रहे।

पिछोर पुलिस को मिली बड़ी सफलता पांच साल से फरार 02 स्थायी बारीटी गिरफ्तार

पिछोर, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले के निर्देशन में एवं एसडीओपी महोदय पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए श्रीमान पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे स्थाई वारंट अभियान में दिनांक 27.03.2024 को थाना प्रभारी पिछोर रत्नेश यादव को जरिये मुखविर सूचना प्राप्त पर प्रकरण क्रमांक 435/19 में फरार स्थाई वारंट पुष्पेन्द्र पुत्र दीवान सिंह यादव उम्र 23 साल निवासी दबिया कलाँ व प्रकरण क्रमांक 219/21 में फरार स्थाई वारंट कन्हू पुत्र किशना आदिवासी उम्र 23 साल निवासी ग्राम बिसनपुरा थाना बमोर कलाँ को अपनी पुलिस टीम के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। उक्त स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय राकिया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पिछोर निरीक्षक रत्नेश सिंह यादव, सजिन सतीश जयन्त, आर. 313 माँगीलाल गुर्जर, आर. 957 देशराज गुर्जर, आर. 907 अरुण मेवाफरोश की सराहनीय भूमिका रही।

15 वर्षीय नाबालिक के साथ छेड़छाड़ करने वाले पडोसी को किया 24 घन्टे में गिरफ्तार

अनिल कुशवाहा पुष्पांजलि टुडे

नाबालिक द्वारा अपने घर की छत पर आरोपी शिशुपाल शाक्य द्वारा



शिवपुरी-दिनांक 24, 25 मार्च की मध्य रात्रि में थाना सिरसौद के ग्राम बीलारा की 15 वर्षीय

बुरी नियत से छेड़छाड़ करने व जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट की थी जिस पर से थाना

सिरसौद पर अपराध कमांक 47/24 धारा 354, 506 भादवि 7/8 पॉक्सो एक्ट का पंजीबद्ध किया गया था। पुलिस अधीक्षक महोदय जिला शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार किये जाने के निर्देश दिये थे, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री संजीव मुले एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय पोहरी श्री सुजीत सिंह भदौरिया के मार्ग निर्देशन में थाना प्रभारी सिरसौद उ निरीक्षक मुकेश दुवोलिया के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी शिशुपाल शाक्य को ग्राम बीलारा

सराहनीय भूमिका :- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मुकेश दुवोलिया, सजिन जगदीश भिलाला, प्र.आर. 797 सन्तोष सिंह बैरा, प्र.आर. 1000 सोनू राजक, आरक्षक 861 आशीष प्रताप, आरक्षक 397 अजीत सिंह, आर. 760 संजीव शर्मा, आरक्षक 216 विक्रम सिंह बाथम, आरक्षक चालक 501 राजेश मिश्रा की विशेष भूमिका रही। बस स्टैण्ड से विश्वसनीय मुखविर की सूचना पर से गिरफ्तार किया गया, आरोपी बीलारा बस स्टैण्ड से कहीं भाग जाने के लिये खड थ

मायापुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता दो बदमाश अवैध लोहे की धारदार छुरी के साथ दबोचे

राकेश परिहार पिछोर 9691338626

पिछोर मायापुर, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले के निर्देशन में एवं एसडीओपी महोदय अनुभाग पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा अवैध हथियार के संबंध में चलाये जा रहे अभियान में आज दिनांक 27.03.24 को मुखविर सूचना पर से आरोपी हल्के उर्फ रुद्रप्रताप पुत्र गोपाल सिंह उम्र 22 साल निवासी पिपरो एवं आरोपी हजारी पुत्र मनीराम सेन उम्र 21 साल निवासी पिपरो के कब्जे से एक एक लोहे की धारदार अवैध छुरी प्रथक प्रथक जस कर प्रथक प्रथक क्रमशः अप.क्र.78/24 व 79/24 धारा 25बी आर्मस् एक्ट के पंजीबद्ध किये गये। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मायापुर निरीक्षक नीतू सिंह, उनि चन्द्रभान सिंह भदौरिया, सजिन राजेन्द्र शर्मा की सराहनीय भूमिका रही है।

लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत सेक्टर अधिकारी नियुक्त

अनिल कुशवाहा पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत तीसरे चरण में जिले में मतदान होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन किए जाने के उद्देश्य से जिले में सेक्टर निर्धारित कर सेक्टर अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। विधानसभा क्षेत्र 25 शिवपुरी के लिए बनाए गए सेक्टर क्रमांक टोंगरा रोड शिवपुरी के लिए पिछड़ा वर्ग विभाग की सहायक संचालक निकिता तामरे को नियुक्त किया गया है। सेक्टर क्रमांक पडोरा शिवपुरी के लिए पशु चिकित्सा अधिकारी अजेंद्र सिंह पाल, सेक्टर क्रमांक वीरा शिवपुरी के लिए पशु चिकित्सा सहायक डॉ.शिवकरण सिंह धाकड़, विधानसभा क्षेत्र 23 करेरा के लिए बनाए गए सेक्टर क्रमांक केरूआ के लिए पीएचई विभाग की उपयंत्री हिमांशु गुसा, सेक्टर क्रमांक भैंसा के लिए पशु चिकित्सा सहायक डॉ. गिरांज माहोर, सेक्टर क्रमांक टीला के लिए पशु चिकित्सा सहायक डॉ. अरविंद जाटव, विधानसभा क्षेत्र 24 पोहरी के लिए बनाए गए सेक्टर क्रमांक चकरामपुर के लिए पशु चिकित्सा सहायक डॉ. विनय कुमार इंदौरिया, सेक्टर क्रमांक परिच्छ के लिए पशु चिकित्सा सहायक डॉ. बालकृष्ण शर्मा, सेक्टर क्रमांक सुभाषपुरा के लिए जनपद पंचायत उप यंत्री रविंद्र जैन को नियुक्त किया गया है।

मदरसा बोर्ड के परीक्षा आवेदन ऑनलाइन 23 अप्रैल तक भरे जायेंगे

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी (उर्दू माध्यम) परीक्षा सत्र-2024 के लिये आवेदन-पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन भरे जाने की दिनांक 23 अप्रैल, 2024 तक बरा दी गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की दिनांक 25 मार्च, 2024 तक निर्धारित की गई थी। आवेदन-पत्र डाक द्वारा कार्यालय मदरसा बोर्ड में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2024 निर्धारित की गई है।

हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब 70 लीटर जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अनिल कुशवाहा पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी संजीव मुले के निर्देशन एवं एसडीओपी महोदय पोहरी सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में लोक सभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुये अवैध शराब विक्रय करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत आज दिनांक 26.03.2024 को थाना बैराड़ पुलिस ने ग्राम डबरपुरा से 70 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की आज दिनांक 26.03.2024 को थाना प्रभारी बैराड़ निरीक्षक मनोज राजपूत को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम डबरपुरा में एक व्यक्ति हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब बेचने हेतु किसी ग्राहक का इंतजार कर रहा है

ठेका श्रमिकों और महिला संगठन की सदस्यों ने ली मतदान करने की शपथ

कटघोरा, हरदीबाजार, दीपका कॉलेज में प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदान करने किया गया प्रेरित

कोरबा/ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत के निर्देशन में मतदाताओं को जागरूक करने जिले में स्वीप की गतिविधियां जारी हैं। इसी कड़ी में शासकीय मुकुटधर पाण्डेय महाविद्यालय कटघोरा में प्राचार्य डॉ. एम. एम. जोशी के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम चलाया गया। छात्र-छात्राओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। शासकीय महाविद्यालय दीपका में स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से युवा मतदाताओं को मतदान का महत्व बताते हुए रोचक नारों के साथ मतदान में शामिल होने प्रेरित किया गया। इसी तरह विद्यार्थियों की मानव

श्रृंखला बनाकर, पोस्टर के माध्यम से मतदान का महत्व

विद्यालय लाफा पाली में छात्र-छात्राओं द्वारा शपथ लेकर



बताया गया। इसी कड़ी में शासकीय महाविद्यालय भारतीय हरदीबाजार, मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम

मतदान जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में स्वसहायता समूह से जुड़ी महिलाओं तथा ठेका श्रमिकों ने

भी मतदान का शपथ लिया। करतला ब्लॉक के मुस्कान महिला संगठन, जनपद पंचायत पाली के संगम महिला, सखी महिला समूह की महिलाओं ने शत-प्रतिशत मतदान करने की शपथ ली। महिलाओं ने निष्पक्ष होकर मतदान करने की शपथ ली। इसी तरह एसईसीएल कोरबा मानिकपुर खदान क्षेत्र में कार्मिक प्रबंधक श्री विनोद सिंह के दिशा-निर्देशन में सुरक्षा संदेश के साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ठेका श्रमिकों द्वारा मतदान की शपथ ली गई। ठेका श्रमिकों को बताया गया कि लोकतंत्र में एक-एक वोट का कितना महत्व है।

शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा/कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत के निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवा, बुजुर्ग, महिला, पुरुष सहित स्कूल-कॉलेजों के सभी छात्र-छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु नुकड़-नाटक, रैली, नारा-लेखन, निबंध, भाषण, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय इंजीनियर विश्वेश्वरैया स्नातकोत्तर महाविद्यालय (ईव्हीपीजी) कोरबा में महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में आज मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीप नारा लेखन (स्वीप सांग) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वीप नारा लेखन प्रतियोगिता में छात्रा श्वेता कोसले ने प्रथम स्थान, छात्रा सरोजनी साहू ने द्वितीय स्थान एवं गीतिका यादव एवं काजल कोसले ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। युवा हो तुम देश की शान, उठो जागो और करो मतदान। देश के विकास में दे अपना योगदान, हर हाल में करना अपना मतदान। एक मतदान में है इतनी शक्ति, नींव रखें जो अच्छे जीवन की। हर घर जाकर यही बताना, मतदान का लक्ष्य समझाना। जागो-जागो हे मतदाता, तुम भारत के भाग्य विधाता। हम सब ने यह ठाना है, मतदाताओं को मतदान दिलवाना है। इस प्रकार विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के माध्यम से स्वीप नारा लिखकर मतदाता जागरूकता का संदेश प्रसारित किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्या डॉ. श्रीमती रेणु बाला शर्मा ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों को लोकसभा चुनाव में अनिवार्य मतदान हेतु शपथ दिलाई। गृह विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी श्री अजय पटेल ने युवा मतदाताओं को स्वयं जागरूक होने के साथ साथ परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के दिन अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु प्रेरित किया। प्राणीशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री बलराम कुरें ने बताया कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कोरबा जिले में शत-प्रतिशत मतदान लक्ष्य की प्राप्ति हेतु महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रमों के तहत चरणबद्ध तरीके से मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम स्वीप नारा लेखन, स्वीप रंगोली, स्वीप वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, स्वीप गायन व अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज स्वीप नारा लेखन प्रतियोगिता कराया गया। स्वीप नारा लेखन प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री कन्हैया सिंह कँवर, श्री अजय पटेल, श्रीमती मधु कँवर ने भूमिका निभाई। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीमती पूर्णिमा साहू, श्रीमती अमोला कोराम, श्रीमती रीतु सिन्हा श्री कन्हैया सिंह कँवर, ग्रंथपाल श्री दीपक टेकाम, श्री राजकुमार शाह एवं विद्यार्थी रूपेश राठिया, विक्रान्त राठिया, संगम दुबे, अजय दास, अविनाश कँवर, योगेश राठिया, नरेश राठिया, साकेत सिदार, ज्योतिका राठिया, ईशा साहू, सरोजनी साहू, श्वेता कोसले, प्रीति साव, गीतिका यादव, महेंद्र कुमार, भूपेंद्र, गुलशन, श्वेता सक्सेना, काजल कोसले, सुरति, प्रकाश, श्वेता शर्मा, जय लक्ष्मी, बनिता, रीना, रिंकी, सुमन, ख्याति, अंशु, बिंदिया, ज्योति खरे, हेमा, नीलम भुवनेश्वरी, प्रतिभा आदि प्रतिभागी विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से बचने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण जरूरी: डीएम

डीएम ने किया हार्पर क्लब परिसर में वृक्षारोपण

बांदा। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने गुरुवार को विश्व वानकी दिवस के अवसर पर हार्पर क्लब बांदा में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह दिवस प्रतिवर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए वृक्षों को लगाना एवं उन्हें संरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें जीने के लिए ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पेड़ों को बचाने का अर्थ है कि अपने जीवन को सुरक्षित रखना। उन्होंने वृक्षारोपण किये जाने पर जोर देते हुए कहा कि सभी लोगों को वृक्ष लगाने चाहिए और वृक्षों को सुरक्षित व संरक्षित रखें। पौधों को नियमित

रूप से पानी, खाद आदि आवश्यक हैं जिससे उनका पोषण हो सके और आसानी से वृक्ष

सुरक्षित रखा जा सकता है। वृक्ष जल संरक्षण व मृदा संरक्षण में भी अत्यन्त उपयोगी होते हैं।



तैयार हों। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों वृक्षों के महत्व एवं आवश्यकता के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि वृक्षों से पर्यावरण को

पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षों का रोपण करने के साथ ही इनके अनावश्यक कटान पर भी नियंत्रण आवश्यक है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने हार्पर क्लब के प्रांगण में

वृक्षारोपण भी किया। प्रभागीय वनाधिकारी अरविन्द कुमार ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने एवं शुद्ध वायु उपलब्ध कराने के लिए वृक्षों का होना अत्यन्त आवश्यक है। वृक्ष मानव जीवन के साथ ही वन जीवों के लिए भी उपयोगी हैं। हम सभी को वृक्षों का रोपण करने के साथ ही उनको संरक्षित रखने के लिए उनको सुरक्षित रखना आवश्यक है। वृक्ष प्रदूषण के नियंत्रण में भी उपयोगी हैं। इस अवसर पर संजय गुप्ता क्षेत्रीय वनाधिकारी पैलानी, रमेश कनौजिया क्षेत्रीय वनाधिकारी सहित अमित कुमार श्रीवास्तव एवं रामेन्द्र शर्मा, मनोज जैन तथा बच्चे उपस्थित रहे।

श्याम सिंह मुरैना केशरी संवाददाता कौंडागांव छतीसगढ़, लोकनर्तकों ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

एनसीसी मैदान में आयोजित स्वीप लोक नृत्य ने मोहक दर्शकों का मन

कौंडागांव, लोक सभा निर्वाचन के दौरान सभी मतदाता अपने-अपने मतदान के अधिकार का उपयोग करते हुए लोकतंत्र को मजबूत करें। इसके लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत बुधवार को स्थानीय एनसीसी मैदान में स्वीप लोकनृत्य का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम में 22 प्रस्तुति दी गई, जिसका आनंद



लोक नर्तक दलों द्वारा मनमोहक

बड़ी संख्या में लोगों ने लिया।

कौंडागांव में आयोजित फगुन मंडई में पहुंचे दूर-दराज के ग्रामीणों ने भी लिया। मनमोहक प्रस्तुति के लिए लोकनर्तक दलों को पुरस्कृत भी किया गया, जिसमें पहला पुरस्कार फरसगांव के कोटपाड़ा, द्वितीय पुरस्कार कौंडागांव के नुंगाली और तृतीय पुरस्कार कौंडागांव विकासखण्ड के रेंगागाँदी की लोक नर्तक कलादलों को प्रदान किया गया।

अवैध कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

पुलिस ने 20 लीटर शराब, महुआ, व एक किंटल लहन को किया नष्ट

बबेरू। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाए जाने तथा लोकसभा चुनाव को सब कुशल संपन्न कराए जाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में कमासिन थाना पुलिस ने छिल्लोलर गांव पहुंचकर महिला सरिता देवी पत्नी हरवंश उम्र करीब 35 वर्ष, निवासी छिल्लोलर को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से 20 लीटर अवैध कच्ची शराब शराब बनाने के उपकरण को किंटल लहन को बरामद कर



महुआ व शराब की भण्टी, तथा बरामद किया है। वहीं एक

मौके पर नष्ट करा दिया गया है। जिसमें महिला सरिता देवी को गिरफ्तार कर कमासिन थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया है। और आगे की कार्यवाही की जा रही है, गिरफ्तार व करने वाली टीम में उप निरीक्षक गिरजा शंकर पांडे, नरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल मनीष शुक्ला, अनुज यादव, महिला कांस्टेबल सीता देवी मौजूद रही।

मतदाता जागरूकता रथ को कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

कोण्डागांव, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कृष्णलाल दुदावत ने गुरुवार को कलेक्टर परिसर से मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ बस्तर लोकसभा क्षेत्रांतर्गत कौंडागांव विधानसभा के कौंडागांव और माकड़ी विकासखण्ड और कांकेर लोकसभा क्षेत्रांतर्गत केशकाल विधानसभा के फरसगांव, मतदाताओं को मताधिकार

केशकाल और बड़े राजपुर विकासखण्डों में जाकर

के उपयोग के लिए जागरूक करेगी। साथ ही बस्तर



लोकसभा क्षेत्र के

मतदाताओं को 19 अप्रैल और कांकेर लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को 26 अप्रैल को मतदान के लिए प्रेरित करेगी। मतदाता जागरूकता रथ को रवाना करते समय संयुक्त कलेक्टर एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अजय उरांव सहित कलेक्टर परिसर एवं जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कोटा पोस्ट ऑफिस को नगर के अंदर शीघ्र शिफ्ट करने के लिए..एस डीएम साहब ने..डाकअधीक्षक बिलासपुर को लिखा पत्र।

डाक अधीक्षक महोदय के अधिकार क्षेत्र के देने वाले किराए के दर 3000/-प्रति माह पर तुरंत शिफ्ट करने के लिए भवन देने के लिए ससर्त तैयार है माकान मालिक।

कोटा- बिलासपुर-- जनता और जप्रतिनिधियों के लगातार मांग एवम विरोध करने पर पोस्ट ऑफिस को ग्रामपंचायत क्षेत्र सीवीएम से हटा कर नगर में अंदर शीघ्र ही शिफ्ट करने के लिए कोटा एसडीएम- संयुक्त कलेक्टर श्री युगल किशोर उर्वशा जी ने डाक अधीक्षक बिलासपुर और कलेक्टर महोदय को ऑफिसियल लेटर लिखा। विगत आठ माह से कोटा पोस्ट ऑफिस को मनमानी तरीके से ग्रामपंचायत क्षेत्र रानीसागर मौझरखार में संचालित करने का विरोध कोटा नगर की जनता और जनप्रतिनिधि कर रहे है। डाक विभाग ने अस्वास्थ्यक था कि नगर के अंदर भवन मिलने पर तुरंत शिफ्ट कर देंगे। पर किये नहीं। कोटा में नगर के अंदर कई लोग अच्छे भवन सर्व सुविधा युक्त जन हित को ध्यान में रखते हुए देने के लिए डाक विभाग के इंस्पेक्टर के

माध्यम से डाक अधीक्षक बिलासपुर को भेजा है। डाक अधीक्षक महोदय बिलासपुर को

आपसे तीन हजार ही लेंगे इसके बाद हमें पूरा करिया 7 हजार या इससे ऊपर जो तय होगा उसको



दिए गए पत्र में कुछ लोगो ने यह भी स्पष्ट लिखा है कि आपको तीन हजार मासिक किराया देने का पावर है और इससे ऊपर रायपुर के अधिकारियों को है जिसमें प्रक्रिया में चार पांच माह का समय लगाता है। तो हम 6 माह तक का किराया

लेंगे। तो भी संबंधित अधिकारियों को नगर के अंदर शिफ्ट करने में तकलीफ हो रही है। इसी तरह की उपर्युक्त शर्त में तीन हजार रुपये 6 माह के लिए, ससर्त में इसी विभाग के अधिकारी कर्मचारी तुरंत ग्रामपंचायत रानीसागर मौझरखार में

शिफ्ट कर दिए थे जहां आज 7 हजार किराया लगभग 500 बर्गफिट का रायपुर से फाइनल हो गया है। तो फिर कोटा में नगर की संस्था को पुनः नगर के अंदर जनता और जप्रतिनिधियों कि मांग पर क्यों शिफ्ट करने में विलम्ब हो रहा है। इसी आसय में जनता ने सभी उच्च अधिकारियों को ज्ञापन दिया और विधायक महोदय कोटा ने भी पत्र लिखा अब कोटा एसडीएम साहब ने जनता और जनप्रतिनिधियों की मांग पर जनहित की संस्था पोस्ट ऑफिस को तुरंत मार्च के अंत तक कोटा नगर के अंदर किराए के भवन में शिफ्ट करने के लिए लेटर लिख कर भेजा है। फिलहाल फोन पर डाक अधीक्षक महोदय ने एसडीएम साहब को अस्वास्थ्यक दिया है कि मार्च में अंत तक पोस्ट ऑफिस को कोटा नगर के अंदर शिफ्ट कर देंगे।

चिड़ियों की विलुप्त होती प्रजाति को लेकर बच्चों ने बनाए घौंसले

ज्वालियर। पूरे विश्व में 20 मार्च को गौरैया दिवस मनाया जाता है यह दिवस मनाने का मतलब यह है की गौरैया प्रजाति की चिड़िया पक्षियों की जाति का सबसे पुराना प्राणी है और हमारे घरेलू वातावरण में रहना इसे पसंद है मगर आधुनिकता भरे दौर में आज यह विलुप्त होने के कगार पर है जो हम सबके लिए चिंता का विषय है। इसके बचाव के लिए के लिए तथा लोगों को जागरूक करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इसीलिए पूरे विश्व में इनकी सुरक्षा के लिए खड़े कम उठने पड़ेगे यह बात आज न्यू वेंडी स्कूल दीनदयाल नगर में गौरैया दिवस मनाया जाता है, उक्त उद्गार मुख्य अतिथि मिसेज कोठारी ने संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इससे पूर्व न्यू वेंडी स्कूल की संचालिका किरण भदौरिया ने माल्यापण कर श्रीमती साधना कोठारी का स्वागत किया स्कूल की संचालिका ने संबोधित करते हुए कहा कि यह वास्तव में ही चिंताजनक विषय है किसी प्रजाति का विलुप्त होना यह अपने आप में एक बड़ी घटना है हम सब लोगों को मिलकर इस विषय में मिलजुल कर ठोस कदम उठाने होंगे। वहीं विश्व गौरैया दिवस पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने गौरैया के लिए घौंसले बनाए, इस अवसर पर स्कूल की टीचर छाया पचौरी, प्रिया कुशवाहा, वंदना, प्रीती, रिंकी, तान्या, शिवानी, इंद्र एवं तक्षक आदि ने बच्चों के साथ मिलकर चिड़ियों के संरक्षण की शपथ ग्रहण की।



निवेदन है कि हम प्रार्थी के पति संतोष कुमार पटेल सन ऑफ स्वर्गीय राम दुलार पटेल निवासी मधुर डिधिया थाना हलिया जनपद मिर्जापुर दिन 10 05 2012 को सुबह 10:00 बजे घर से यह कहकर निकले की मैं मुंबई काम करने जा जा रहा हूँ जाने के बाद उनका कोई फोन नहीं आया हम पूरे परिवार के साथ काफी खोज पता किया गया परंतु कोई पता नहीं चला हम लोग तलाश हैरान हो चुके इसलिए हमको पत्रकार का सहारा लेना पड़ा जिस भाई को अगर यह दिखाए दे घर पहुंचने के लिए कृपा करें घर पहुंचने तक भाड़ा किराया सब दिया जाएगा इ

जे.आय.टी. के वार्षिकोत्सव "विहंगम 2024" की रंगारंग शुरुआत

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे जे.आय.टी. में 4 दिनों तक चलेगा वार्षिकोत्सव

वार्षिकोत्सव "विहंगम 2024" का पारंपरिक रूप से शुभारंभ

खरगोन, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बोरावा के वार्षिकोत्सव विहंगम 2024 का आज पारंपरिक रूप से शुभारंभ हुआ। विहंगम 2024 मंगलवार 26 मार्च से प्रारंभ होकर 31 मार्च तक चलेगा। इसके अंतर्गत गायन, नृत्य, रंगोली, मेहदी, गली क्रिकेट, रोडीज, फंकी डे, ट्रेडिशनल डे एवं फूड फेस्टिवल जैसी अनेक खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जावेंगी। आज मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के शुभारंभ अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय ने सभी विद्यार्थियों से आवाहन किया कि वे सभी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें एवं आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं का पूर्ण तैयारी के साथ सामना करें। विद्यार्थी जीवन का अपना अलग महत्व है एवं इसमें विद्यार्थी

को सभी प्रकार के अनुभव प्राप्त होते हैं। संस्था के डीन डॉ. सुनील सुगंधी ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की

पढाई के साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी हिस्सा लेना आवश्यक है साथ ही अपना सर्वोत्तम आउटपुट देना



कामना करते हुए शुभकामनाएँ दी एवं जीवन की कठिनाईयों का डटकर मुकाबला करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज का दौर प्रतियोगिताओं का दौर है और सभी विद्यार्थियों को अपनी

है और चुनौतियों का सामना करना है। आज वार्षिकोत्सव के शुभारंभ अवसर पर सभी विद्यार्थियों में हर्ष व्याप्त है। वार्षिकोत्सव प्रभारी डॉ. हनीफ खान, प्रो. रंजन ठाकुर एवं प्रो. दीपक यादव ने

आगामी 4 दिवसयी आयोजन की रूपरेखा बताई एवं सभी विद्यार्थियों को भाईचारे एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजन में सहभागी होते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बोरावा के वार्षिकोत्सव विहंगम 2024 के दौरान आज 26 मार्च को प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय, डीन डॉ. सुनील सुगंधी और विभागीय शिक्षक आयोजकों के मार्गदर्शन में सात प्रतियोगिताएँ संपादित हुईं। जिसमें खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, फूड फेस्टिवल मेहदी, रंगोली और बैडमिंटन जैसी 7 प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें मेहदी व रंगोली में क्रमशः 19 एवं 15 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। क्रिकेट कबड्डी और बैडमिंटन जैसी खेल प्रतियोगिताओं में चार-चार टीमों शामिल थीं। फूड फेस्टिवल में छात्र छात्राओं की 8 टीमों ने हिस्सा लिया। पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री अरुण यादव ने वार्षिकोत्सव विहंगम 2024 के अवसर पर सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएँ दी

पुलिस एवं प्रशासन ने आगामी चुनावों के लिये विशेष पुलिस अधिकारियों को दिया चुनावी प्रशिक्षण, करैरा

अनुभाग में 2269 लोगो को विशेष पुलिस अधिकारी का प्रशिक्षण कराया गया है।



राकेश परिहार पिछोर 969 1338626

करैरा, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के द्वारा आगामी चुनावों को शांति पूर्ण तरीके से समन्न कराने हेतु प्रशासन के साथ मिलकर चुनाव के दौरान विशेष पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक के उक्त निर्देशों के पालन में आज दिनांक 27.03.2024 को शिवपुरी पुलिस द्वारा प्रशासन के साथ मिलकर आज करैरा अनुभाग में अतिथि शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ता, एम कोटवारों को चुनावों के दौरान ड्यूटी करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षण 5 बैच में समपन्न हुआ जिसमें अतिथि शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता एम कोटवारों को प्रशिक्षण दिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 में अनुविभाग करैरा के सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एम एसडीएम अजय शर्मा ने आयोग के निर्देशों के पालन में विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में करैरा एम नरवर ब्लॉक के समस्त अतिथि शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ता, एम कोटवारों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सम्मिलित लोगों को संबोधित करते हुए एसडीएम श्री शर्मा ने कहा कि आप लोगों को बड़ी जिम्मेदारी आयोग द्वारा दी गई है, उसके तहत आपको विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में कार्य करना है, आप लोग



भयमुक्त एवम निष्पक्ष रूप से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराए। किसी प्रकार की राजनैतिक गतिविधियों से दूरी बना कर रखे। सर्वप्रथम पुलिस अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तुत प्रक्रिया की फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें विस्तार से सभी कर्तव्यों के बारे में समझाया गया। प्रशिक्षण में पुलिस की ओर से उपस्थित सूबेदार भानुप्रताप सिंह सिकरवार ने सभी को पुलिस अधिकारी के कर्तव्य व अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि आप लोगो को आदर्श आचार संहिता का पूर्णतः पालन करना होगा। प्रशिक्षण में एसडीएम अजय शर्मा, तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा, परियोजना अधिकारी रविरमन पराशर, सूबेदार भानुप्रताप सिंह सिकरवार, आरक्षक 460 घनश्याम यादव, 615 उपेंद्र रावत, अनुविभाग के समस्त अतिथि शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएँ, सहायिकाएँ, कोटवार, आशा कार्यकर्ताएँ उपस्थित थीं। प्रथम, द्वितीय बैच जिसमें आशा, कोटवार, सहायिका, उत्कृष्ट विद्यालय करैरा में तथा संख्या बल की अधिकता को देखते हुए तीन बैच रामराजा गार्डन में जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, अतिथि शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। कुछ अतिथि शिक्षकों ने ड्यूटी के दौरान किए गए मानदेय भुगतान, मतदान करने सहित अन्य मुद्दों पर प्रश्न भी किए, जिनके उत्तर सूबेदार श्री भानु प्रताप सिंह सिकरवार ने दिए।

मेरी मौत के बाद मेरे बेटे को दिलवा देना उसका हक, पर्ची में लिखकर ग्वालियर में युवक ने दे दी जान, जांच में जुटी पुलिस

ग्वालियर। झांसी रोड़ थाना क्षेत्र में मंगलवार को रेलवे ट्रैक के पास युवक का शव मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। शव की तलाशी के दौरान जेब में एक पर्ची मिली थी जिसमें लिखा था कि मेरी मौत के बाद मेरे बेटे को उसका हक दिलवा देना, पुलिस इसके आधार पर घटना को आत्महत्या मानकर जांच में जुटी हुई है। इस

मामले में झांसी रोड़ थाना पुलिस का कहना है कि इस मामले को प्रथम दृष्टया दुर्घटना माना जा रहा था लेकिन जांच के दौरान आत्महत्या का अंदेशा जताया जा रहा है। इसी आधार पर परिजनों सहित अन्य लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। बता दें कि मंगलवार को झांसी रोड़ थाना पुलिस को थाने के पास रेलवे

लाइन पर एक युवक का शव मिला था। जिसकी शर्मा के रूप में हुई थी। देखने से लग रहा था कि जिसके चलते पुलिस ने इसे हृदयस मानकर जांच शुरू कर दी थी लेकिन जब शव की तलाशी ली तो उसमें एक पर्ची मिली जिस पर लिखा था कि मेरी मौत के बाद मेरे बेटे को उसका हक दिलवा देना। जिसके बाद दुर्घटना के स्थान पर पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। बता दें कि मामले की जांच के दौरान पुलिस के सामने पारिवारिक विवाद का मामला आया। पुलिस की मानें तो 7 वर्ष पहले मनोज शर्मा की शादी हुई थी। पिछले लगभग एक वर्ष से पति-पत्नी में विवाद आपसी विवाद चल रहा था। आए दिन दोनों के बीच बार-बार झगड़ होते रहते थे। पुलिस का मानना है कि किसी विवाद से परेशान होकर ही मनोज ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली है।

मामले में झांसी रोड़ थाना पुलिस का कहना है कि इस मामले को प्रथम दृष्टया दुर्घटना माना जा रहा था लेकिन जांच के दौरान आत्महत्या का अंदेशा जताया जा रहा है। इसी आधार पर परिजनों सहित अन्य लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। बता दें कि मंगलवार को झांसी रोड़ थाना पुलिस को थाने के पास रेलवे

लाइन पर एक युवक का शव मिला था। जिसकी शर्मा के रूप में हुई थी। देखने से लग रहा था कि जिसके चलते पुलिस ने इसे हृदयस मानकर जांच शुरू कर दी थी लेकिन जब शव की तलाशी ली तो उसमें एक पर्ची मिली जिस पर लिखा था कि मेरी मौत के बाद मेरे बेटे को उसका हक दिलवा देना। जिसके बाद दुर्घटना के स्थान पर पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। बता दें कि मामले की जांच के दौरान पुलिस के सामने पारिवारिक विवाद का मामला आया। पुलिस की मानें तो 7 वर्ष पहले मनोज शर्मा की शादी हुई थी। पिछले लगभग एक वर्ष से पति-पत्नी में विवाद आपसी विवाद चल रहा था। आए दिन दोनों के बीच बार-बार झगड़ होते रहते थे। पुलिस का मानना है कि किसी विवाद से परेशान होकर ही मनोज ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली है।

मामले में झांसी रोड़ थाना पुलिस का कहना है कि इस मामले को प्रथम दृष्टया दुर्घटना माना जा रहा था लेकिन जांच के दौरान आत्महत्या का अंदेशा जताया जा रहा है। इसी आधार पर परिजनों सहित अन्य लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। बता दें कि मंगलवार को झांसी रोड़ थाना पुलिस को थाने के पास रेलवे



पहचान महलगांव ट्रेन की चपेट में आने से निवासी 33 वर्षीय मनोज युवक की मौत हुई थी

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूजा न कोय... भगवान से विवाह करने चली आज की मीरा



ऐसी लगी लगन..

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक अनोखी शादी होने जा रही है। इस शादी की चर्चा ग्वालियर ही नहीं पूरे प्रदेश में बड़े जोरों पर है। दरअसल यह शादी है भक्त और भगवान की। 23 साल की शिवानी ने भगवान श्री कृष्ण के स्वरूप लड्डू गोपाल से विवाह करने का निर्णय लिया है। शिवानी के इस निर्णय पर उनके घर वाले भी सहमत हो गए हैं। घर में विवाह की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। यही तो भगवान श्री कृष्ण के प्रेम में सभी डूबे हुए होते हैं, लेकिन कभी-कभी किसी भक्त का प्रेम सारी सीमाओं को पार कर जाता है। जिस प्रकार मीरा की भक्ति ने भगवान के प्रति प्रेम और आदर के भाव को लेकर सारी सीमाओं को पार कर दिया था। उसी तरह ग्वालियर के न्यू ब्रज विहार कॉलोनी में रहने वाली शिवानी परिहार ने भी भगवान की भक्ति को लेकर स्वयं को समर्पित करने का निर्णय ले लिया है। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के स्वरूप लड्डू गोपाल से विवाह करने का निर्णय लिया है। शिवानी कहती हैं कि कई बार सपने में भगवान श्री कृष्ण आए हैं और उनसे विवाह भी हुआ है। अब हकीकत में भी मैं इस सपने को जीना चाहती हूँ। इसीलिए यह निर्णय लिया है। शिवानी की शादी आगामी 17 अप्रैल को बहुत ही सात्विक ढंग से और पूरे रीति रिवाज के साथ की जाएगी। उनकी बाबत वृंदावन से आएगी और विवाह संपन्न होने के बाद 18 अप्रैल को शिवानी की विदाई भी की जाएगी।

माता पिता ने शुरू की तैयारियां-भगवान से विवाह को लेकर उत्साह केवल शिवानी के मन में ही नहीं बल्कि उनके पूरे परिवार में भी है। इस निर्णय को लेकर पूरे परिवार में खुशियों की लहर है। यही कारण है कि शिवानी के माता-पिता ने भी अपनी बेटी के इस निर्णय में खुशी-खुशी साथ देने का निर्णय ले लिया है। परिवार ने बेटी की विवाह की तैयारी शुरू कर दी है। शिवानी के पिता रामप्रताप परिहार का कहना है कि शिवानी की मां मीरा परिहार भी भगवान की अनन्य भक्त हैं। अपने बच्चों को भी उन्होंने बचपन से ही भक्ति भाव सिखाया है। बेटी ने जो निर्णय लिया है वह उसका अपना निर्णय है। सभी को अपना जीवन अपने निर्णय अनुसार जीने की स्वतंत्रता है। भगवान के राह में चलने वाली बेटी के लिए हम रोड़ा क्यों बने।

कुछ रिश्तेदार नाखुश-शिवानी ने जो निर्णय लिया है उससे उनके कई खास रिश्तेदार भी नाराज हैं, लेकिन शिवानी और उनके माता-पिता को इन सब से कोई फर्क नहीं पड़ता। शिवानी का कहना है कि मैंने उससे नाता जोड़ लिया है जिसका पूरे संसार से नाता है तो अब मुझे इन झूठे नातों से कोई गुरे? नहीं है। जिसने मुझे जीवन दिया है मैं तो उसी को अपना जीवन समर्पित कर रही हूँ।

होली में हुड़दगियों पर लगाम कसने के लिए मुस्तैद ग्वालियर पुलिस, ड्रोन कैमरे से होगी निगरानी

ग्वालियर। रंगों और खुशियों का त्यौहार होली कल मनाया जाएगा, लेकिन यदि आप इस दौरान हुड़दग या फिर किसी तरह की वारदात को अंजाम देने की कोशिश करते हैं तो आपको कड़ा सबक सिखाया जाएगा। ग्वालियर पुलिस होली के दौरान हुड़दगियों पर लगाम कसने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस हुड़दगियों से निपटने के लिए पूरी फोर्स तैनात कर दी है। होली को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में एक विशेष बल तैयार किया गया है। यह बल शहर के चौक चौराहों के साथ ही उन चिन्हित जगहों पर तैनात किया जाएगा, जहां बीते साल होली के दौरान विवाद होने के मामले सामने आए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा शांति समिति की बैठक भी आयोजित की जा चुकी है। सभी समाज विशेष के लोगों से त्यौहार के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की गई है।



आदर्श आचार संहिता लागू-लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के चलते आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसी स्थिति में चौक चौराहों के साथ ही रेलवे स्टेशन पर भी और जीआरपी पुलिस बल अलर्ट मोड़ सकें।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर होगी सख्त कार्रवाई-होली के दौरान शराब पीकर तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने, चौक चौराहा पर हुड़दग मचाते हुए आम लोगों को परेशान करने वालों के साथ ही लड्डू झगड़ करने वाले बदमाशों पर पुलिस सख्त एक्शन लेगी। ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि होली को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। होली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

ड्रोन कैमरे से होगी निगरानी-होली के त्यौहार में किसी भी अत्याजाधिक तत्व को खलल डालने नहीं दिया जाएगा। यही वजह है कि संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरा से निगरानी की जाएगी। साथ ही चौक चौराहा पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा सके।

हाईकोर्ट ने ठगी के मामले में आरोपियों को सुनाई 10-10 पौधे लगाने की सजा,

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने एक अनोखा आदेश पारित किया है। इस आदेश के अनुसार आरोपियों को 10-10 पौधे लगाने होंगे और उनका उचित रखरखाव भी करना होगा। यह मामला देश के एक बड़े व्यवसायी से जुड़ा हुआ है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने ग्वालियर की एक व्यापारी के साथ लाखों की ठगी की है तो आईए जानते हैं क्या है पूरा मामला...

क्या है पूरा मामला-आपको बता दें कि शहर के एक व्यापारी गोपाल गुप्ता ने पुलिस थाने में शिकायत की थी कि बजाज कंपनी के डायरेक्टर नवीन गुप्ता और उनके स्टाफ अरुण गजेंद्र और उनके दो अन्य साथियों ने मिलकर उनके साथ भरपूर में लेकर ठगी की थी। यह ठगी तकरीबन 25 लाख रुपए की थी और कंपनी ने उनका पैसा लौटाने से मना भी कर दिया था। उनका आरोप था कि कंपनी ने अलग-अलग तरीकों में उनसे उन्हें कंपनी का एमडी बनाने के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी की थी। जब उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा तो फर्जी डीडी बनाकर उन्हें थमा दिया था, जिसका भुगतान अब तक नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान मेरी बात कंपनी के डायरेक्टर से भी करवाई गई थी, लेकिन उसका भी कोई लाभ मुझे नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत की थी तब मामला न्यायालय पहुंचा। उक्त मामले को लेकर जब आरोपियों ने अपनी जमानत के लिए कोर्ट में याचिका दायर की तो न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत दे दी, लेकिन जमानत देने के दौरान शर्त रखी गई कि आरोपी अरुण और गजेंद्र को 50-50 हजार के निजी बेल बांड देने होंगे। इसके साथ ही चूँकि आरोपी ग्वालियर से ही बिलॉन करते हैं, तो उन्हें शिरोल पहाड़ी पर 10-10 फलदार नीम पीपल जैसे पौधे लगाने होंगे। यह काम केवल यहीं तक सीमित नहीं है। इन पौधों के रखरखाव का जिम्मा भी उन्हीं का है और अपने बच्चों की तरह इन पौधों की देखभाल उन्हें करनी होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिस तारीख को आरोपी जमानत पर बाहर आएंगे, उस तारीख से आने वाले 30 दिन के अंदर आरोपियों को कोर्ट के समक्ष पौधारोपण की तस्वीर पेश करनी होगी। साथ ही इन पेड़ों की देखरेख में भी कोई कोताही नहीं बरती जाए, नहीं तो अपराधियों के जमानत लाभ पर इसका प्रभाव पड़ेगा।



मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर